RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः16 , गुरुवार, 26 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डीएलसीसी व डीएलआरएसी की तृतीय तिमाही के बैंकों के प्रगति हुई समीक्षात्मक बैठक आयोजित 03

तेजप्रताप ने रिंकल यादव को बनाया अध्यक्ष पद का उम्मीदवार 04

भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी मिथिला पालकर... 07

एमपी के भोपाल में हाईप्रोफाइल पार्टियों में बड़ा 'खेला'

- युवतियों की सप्लाई कर 'अमीर' बनी अमरीन और आफरीन
- झुग्गियों से निकल आलीशान घर में आई, अहमदाबाद तक जाल

भोपाल (एजेंसी)। धर्मांतरण और रेप के आरोप में गिरफ्तार अमरीन और आफरीन को लेकर कई खुलासे हो रहे हैं। दोनों पहले अब्बास नगर की झुग्गियों में रहती थीं। हाई प्रोफाइल पार्टियों में युवतियों की सप्लाई कर कुछ ही दिनों में दोनों सगी बहनें अमीर बन गईं। इसके बाद आशिमा मॉल के पास स्थित एक आलीशान फ्लैट में रहने लगीं। कथित तौर

पर यह दावा किया जा रहा है कि दोनों ने गलत धंधे से ही दौलत कमाए हैं। दोनों बहनें भोपाल में स्पा सेंटर से भी जुड़ी थीं। काम का झांसा देकर भोली-भाली युवतियों को अपने झांसे में लेती थीं। इसके बाद देह

व्यापार के दलदल में उन्हें धकेल देती थीं। पुलिस के सामने आईं दो पीड़िताओं ने इनकी करतूतों के बारे में खुलासा किया है। इनके गलत काम में कई लोग साथ थे। आरोपियों में एक बहन का लिव इन पार्टनर चंदन यादव भी है। चंदन यादव ने भी धर्म परिवर्तन कर लिया है लेकिन नाम नहीं बदला है। अभी वह जेल में बंद है।

युवतियों को पहले कराती थी नशा, फिर रेप- पीड़िताओं ने खुलासा किया था कि पहले काम के नाम पर रखी थीं। इसके बाद छोटे कपड़ों में अन्य जगहों पर ले जा जाती थी। अब पूछताछ में यह बात सामने आई है कि दोनों बहनें पीड़िताओं को क्लब और पब में ले जाती थीं। वहां उन्हें ड्रग देती थी। इसके बाद उनके साथ रेप होता था। विरोध करने पर ब्लैकमेलिंग की जाती थी। वहीं, दोनों बहनों के फोन से युवतियों की तस्वीर और चैट मिले हैं। कथित तौर पर यह दावा किया जा रहा है कि इन तस्वीरों को पार्टी के आयोजकों को भेजते थे। इन तस्वीरों के आधार पर पुलिस अन्य पीड़िताओं की तलाश कर रही है। अब शिकायत दर्ज करवाने वाली पीड़िता 22 और 32 साल की है। दोनों बहनों के खिलाफ दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। अभी अमरीन पुलिस की रिमांड पर है।

झुग्गियों से निकलकर आलीशान घर में आईं दोनों

आरोपी अमरीन और आफरीन पहले अब्बास नगर स्थित झुग्गी में रहती थीं। गलत धंधे से दोनों बहनों ने कमाई की। इसके बाद आशिमा मॉल के पास सागर रॉयल विला में आलीशान घर ले लिया। इसके बाद बीते सात साल से यही रह रही थीं। आसपास के लोगों का कहना है कि दोनों बहनें लग्जरी लाइफ जीती थीं। वहीं, मीडिया से बातचीत के दौरान पड़ोसियों ने कहा है कि इनके घर काफी हलचल रहती थी।

सखियों ने पुलिसवालों को मारे लट्ठ, होली की धूम

मथुरा के बरसाना में लट्ठमार होली में ढोल-नगाड़ों पर डांस

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के बरसाना में बुधवार को प्रसिद्ध लट्ठमार होली खेली जा रही है। सुबह से ही बरसाने की गलियां भक्तों से सजी-धजी हैं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूम रहे हैं। डांस कर रहे हैं। होली के गीत गा रहे हैं। इससे पहले सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसवालों के साथ महिलाओं ने लट्ठमार की। नंदगांव से आने वाले हुरियारों के स्वागत की तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं। बरसाना पीली पोखर पर स्वागत के लिए 2000 किलो ठंडाई बनाई गई है। होली देखने और खेलने के लिए 20 लाख श्रद्धालु बरसाना पहुंचे हैं। इनमें विदेशी टूरिस्ट भी शामिल हैं। प्रशासन के मुताबिक, सुरक्षा के लिहाज से 4500 से ज्यादा पुलिसकर्मी और एंटी रोमियो टीम तैनात की गई है। इससे पहले मंगलवार को राधारानी (लाड़लीजी) मंदिर में लड्डूमार होली खेली गई थी। महंतों ने मंदिर की छत पर बनी सफेद छतरी से लड्डू लुटाए थे। बरसाना राधा रानी का जन्मस्थान है। लट्ठमार होली में नंदगांव यानी श्रीकृष्ण का जहां बचपन बीता, वहां के हुरियारे 8 किमी दूर बरसाना में होली खेलने आते हैं। कुंज और रंगीली गलियों से होते हुए करीब 3 किमी तक चलते हैं। गलियों में दोनों तरफ खड़ी हुरियारने लाठियां मारती हैं, इनसे बचने के लिए हुरियारे ढाल का सहारा लेते हैं। ऐसी मनोरम और वर्ल्ड फेमस होली देखने के लिए बड़ी संख्या में टूरिस्ट मथुरा-वृंदावन पहुंचते हैं। नंदगांव से आए हुरियारे ने बताया- बस पगड़ी बंध जाए, हम होली खेलने के लिए तैयार हैं। ढाल पूरी तैयार है। इसमें हुरियारी लट्ठ मारेंगी। और हम लट्ठ खाने के लिए तैयार हैं। राधा रानी के दर्शन करके रंगीली गली में होली खेलेंगे। मनीष गोस्वीमी नंदबाबा मुख्य पुजारी ने बताया- ये परंपरा ठाकुर जी के समय से चली आ रही है। जो मेरे हाथ में ध्वजा दिख रहा है आपको, ये स्वंय कृष्ण-बलराम का रूप है। नंदबाबा से आशीर्वाद लेकर नंदमहल से निकले। ठाकुर जी का हाथ छुआकर। ऐसे ही रास्ते में चलते चले आए। फिर राधा-रानी के स्मृति पहुंचे पीली पोखर। यहां अब हमारा ठंडाई-पान-भोग हो रहा है। ये तीन पग वाली जो पगड़ी दिख रही है ये बहुत प्राचीन परंपरा है। ठाकुर जी, जो मुकुट धारण करते हैं रास के समय आते हैं तो बिना पाग के नहीं आते। वहीं परंपरा चली आ रही है। ये स्वयं कृष्ण भगवान हैं हमारे। अभी हम इसे किसी को छूने नहीं देते। सबसे पहले ये श्रीजी के चरणों के पास ले जाएंगे। श्रीजी से स्पर्श कराएंगे। वहां समाज गायन होगा। उसके बाद रंगीली गली में लट्ठमार होली खेली गई।

चार राज्यों के 5407 गांवों के लिए सरकार की सौगात

मोदी कैबिनेट ने 9072 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट किए मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रधानमंत्री के नए कार्यालय सेवा तीर्थ में हुई बैठक में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने रेल मंत्रालय की अनुमानित 9072 करोड़ रुपये की इन तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण, पुनारख-किउल तीसरी और चौथी लाइन तथा गम्हरिया-चांडिल तीसरी तथा चौथी लाइन शामिल है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के आठ जिलों से गुजरने वाली इन परियोजनाओं पर काम पूरा होने के बाद देश में रेलवे का मौजूदा नेटवर्क 307 किलोमीटर बढ़ जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने

बताया कि इन प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से 98 लाख की आबादी वाले 5,407 गांवों में रेल संपर्क में सुधार होगा।

जबलपुर-गोंदिया परियोजना को दी गई स्वीकृति

वैष्णव ने कहा कि ये तीनों रेल परियोजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और देश के प्रमुख रेल कॉरिडोरों की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं। इनमें से पहली प्रमुख परियोजना जबलपुर से गोंदिया रेल लाइन है। उनका कहना था कि यदि हम उत्तर भारत, विशेषकर पूर्वांचल के प्रयागराज, वाराणसी (काशी), इसके बाद बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का रीवा संभाग को देखें तो इन सभी क्षेत्रों से दक्षिण भारत की ओर जाने वाला पारंपरिक मार्ग जबलपुर से इटारसी, इटारसी से नागपुर और वहां से आगे दक्षिण की ओर जाता है। यह मार्ग लंबा होने के साथ-साथ अत्यधिक व्यस्त भी है।

- वाराणसी और प्रयागराज उत्तर भारत के प्रमुख संगम- वैष्णव ने कहा कि समग्र रूप से देखा जाए तो वाराणसी और प्रयागराज उत्तर भारत के प्रमुख संगम और जंक्शन बिंदु हैं। विशेष रूप से प्रयागराज एक महत्वपूर्ण जंक्शन है जहा मालगाड़ियों, यात्री गाड़ियों, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही एक साथ होती है। यहां विभिन्न दिशाओं से आने वाली गाड़ियां एक ही स्थान पर एकत्रित हो जाती हैं, जिससे बड़ा अवरोध (बॉटलनेक) उत्पन्न होता है और गाड़ियों के परिचालन में विलंब होता है। इसी समस्या के समाधान के लिए तीसरी और चौथी रेल लाइन का अत्यंत सावधानीपूर्वक डिजाइन तैयार किया गया है, ताकि पूर्व से पश्चिम जाने वाला यातायात प्रभावित न हो और उत्तर से दक्षिण जाने वाला यातायात भी सुचारु रूप से चलता रहे।

अरुणाचल की महिलाओं पर नस्लीय कमेंट पड़ गया भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और हर्ष सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एसटीएससी ऐक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले मंगलवार को मुख्य आरोपी और महिला के पति हर्ष सिंह ने न्यूज एजेंसी से कहा कि हम निश्चित रूप से शर्मिंदा हैं। मैं ऐसा इंसान नहीं हूं, ये सब कुछ हीट ऑफ द मूमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रिजिजू ने कहा कि मामले में गिरफ्तारियां हुई हैं। उन्होंने कहा नॉर्थईस्ट के लोगों के खिलाफ यह ठीक नहीं।

9 साल बाद इजराइल पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

- जबरदस्त स्वागत, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू खुद लेने पहुंचे
- पत्नी के साथ एयरपोर्ट पर किया रिसीव, संसद को संबोधित किया

तेल अवीव (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के इजराइल दौरे पर पहुंचे हैं। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान के साथ पीएम का स्वागत किया गया। पीएम मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। मोदी 9 साल बाद इजराइल पहुंचे हैं। इससे पहले वे जुलाई 2017 में गए थे। मोदी के इस दौरे पर भारत और इजराइल के हथियारों से जुड़ी डील पर बातचीत की संभावना है। इनमें ड्रोन और एंटी बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम शामिल हैं। इजराइली अखबार, द जेरूसलम पोस्ट ने पीएम मोदी के दौरे पर उनके स्वागत के लिए एक खास फ्रंट पेज छापा। फ्रंट पेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ हिंदी में लिखा 'नमस्ते' नजर आ रहा है। वहीं उसके बगल में हिब्रू भाषा में भी 'शालोम' लिखा है, जिसका मतलब हेलो या नमस्ते है।

अमेरिकी संसद में ट्रम्प बोले- भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह संसद में भाषण दिया। साल की शुरुआत में संसद में प्रेसिडेंट के भाषण को 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच कहा जाता है। ट्रम्प ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ट्रम्प यह बात 100 से ज्यादा बार दोहरा चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु जंग में 3.5 करोड़ लोगों के मारे जाने की आशंका थी। हालांकि, भारत इस दावे को हमेशा खारिज करता आया है। अपने भाषण में ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच गाजा सीजफायर को अपनी उपलब्धि कहा।

हिंदुत्व खतरे में है, सिर्फ ड्रेस पहनकर खुद को हिंदू बता रहे

- शंकराचार्य बोले- हिंदुत्व को हिंदुओं के बीच घुसे ऐसे लोगों से है खतरा

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस पिछले तीन दिनों से वाराणसी में डेरा डाले हुए है। पुलिस उनसे पूछताछ कर सकती है, हालांकि अभी तक आश्रम नहीं पहुंची है। सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज पुलिस फिलहाल शंकराचार्य से जुड़े सबूत जुटाने में लगी है। मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण पुलिस फूंक-फूंककर कदम आगे बढ़ा रही है। माना जा रहा है कि पूरी तैयारी और होमवर्क के बाद ही पुलिस शंकराचार्य या उनके शिष्यों से पूछताछ करेगी। उधर, बुधवार को शंकराचार्य ने एक बार फिर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा,हिंदुत्व खतरे में है। जब केवल ड्रेस पहनकर लोग खुद को हिंदू बताने लगेंगे और बार-बार हिंदू-हिंदू कहेंगे, तो हिंदू को खतरा होना स्वाभाविक है। हिंदुत्व को हिंदुओं के बीच घुस आए ऐसे लोगों से खतरा है, जो वास्तव में हिंदू नहीं हैं, बल्कि दिखावे के लिए खुद को हिंदू बताते हैं। उन्होंने कहा,एक-डेढ़ महीने से कहा जा रहा है कि और भी छात्रों का यौन शोषण हुआ है। अगर ऐसा है तो बाकी लोगों को क्यों बचाकर रखा गया है। यदि किसी के साथ अन्याय हुआ है और सिर्फ दो लोगों से मुकदमा दर्ज कराया गया है, तो इससे पता चलता है कि इसके पीछे साजिश है। जब उन्हें मुफीद होगा, तब उन्हें पेश किया जाएगा।

शंकराचार्य के समर्थन में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस से धक्का-मुक्की

वाराणसी (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान और उत्पीड़न के आरोपों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पूरे प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है। काशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शंखनाद कर सरकार को चेतावनी दी।

पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की करते हुए कार्यकर्ता डीएम पोर्टिको तक पहुंच गए और जमकर नारेबाजी की। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शंकराचार्य के पोस्टर लहराए, जबकि लखनऊ में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मेरठ, बुलंदशहर, गोरखपुर और ललितपुर सहित पूरे प्रदेश में कांग्रेसियों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा।

सीएम योगी के जापान दौरे में मिले मेगा निवेश प्रस्ताव

पहले दिन 11 हजार करोड़ रुपये का एमओयू हुआ साइन

- कुबोता व मिंडा सहित कई जापानी कंपनियों ने किए करार

नई दिल्ली/लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। जिन कंपनियों के साथ करार हुआ है उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रालि शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है। एस्कॉर्ट्स कुबोता लिमिटेड के साथ सहयोग के माध्यम से कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार और फार्म मैकेनाइजेशन क्षेत्र में उपस्थिति को मजबूत कर रही है।

- एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा- नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, एक विविधीकृत जापानी ट्रेडिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो केमिकल्स, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सक्रिय है। इन कंपनियों के बीच सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। सीको एडवांस जापान मूल की कंपनी है जो उच्च प्रदर्शन स्क्रीन प्रिंटिंग इंक और कोटिंग सॉल्यूशंस के लिए जानी जाती है। इसके उत्पाद ऑटोमोटिव डीकल्स, इंडस्ट्रियल ग्राफिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पैनल, ग्लास प्रिंटिंग और कंज्यूमर अप्लायंसेज में उपयोग होते हैं। कंपनी भारत में अपनी विनिर्माण इकाई के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को आपूर्ति कर रही है। इसके अतिरिक्त ओ एंड ओ ने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश को लेकर समझौता किया। पहले दिन हुए इन समझौतों को भारत और जापान के बीच औद्योगिक सहयोग को नई गति देने वाला कदम है।

किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम नहीं करने दूंगा

एनसीईआरटी के नए सिलेबस को लेकर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी की नई किताबों में अदालतों में भ्रष्टाचार और लंबित मामलों पर चिंता जताए जाने वाले चैप्टर को शामिल करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान इस कदम पर कड़ी नाराजगी जताई है। सीजेआई ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि वे किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम नहीं करने देंगे। वहीं जस्टिस बागची ने इसे संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर के खिलाफ बताया है। इससे पहले बुधवार को न्यायपालिका पर आधारित पाठ्यपुस्तक के अध्याय पर सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ से कहा कि क्लास 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जाएगा। यह गंभीर चिंता का विषय है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा,मुख्य न्यायधीश के तौर पर मैंने अपना काम किया है और संज्ञान लिया है। यह एक सोचा-समझा कदम लगता है। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। मुख्य न्यायधीश ने आगे कहा, प्लीज कुछ दिन इंतजार करें। बार और बेंच सभी परेशान हैं। सभी हाईकोर्ट के जज परेशान हैं। मैं इस मामले को खुद से देखूंगा। मैं किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा।

संक्षिप्त समाचार

भूतनाथ से मलाही पकड़ी के बीच चलेगी मेट्रो, कल ट्रायल रन, आम लोग नहीं कर पाएंगे गुरुवार को सफर

पटना। पटना मेट्रो अब भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक जाएगी। कल पटना मेट्रो का ट्रायल रन है। इस कारण कल पटनावासी पटना मेट्रो से यात्रा नहीं कर पाएंगे। इस बात की जानकारी पटना मेट्रो रेल निगम लिमिटेड की तरफ से दी गई है। नए सेक्शन को यात्रियों के लिए खोलने से पहले यह ट्रायल रन जरूरी है। इसमें ट्रेन की गति, आपातकालीन ब्रेक सिस्टम और स्टेशनों के बीच तालमेल का परीक्षण किया जाएगा। पटना मेट्रो ने जानकारी देते हुए कहा कि पटना मेट्रो रेल निगम लिमिटेड द्वारा यात्रियों को सूचित किया जाता है कि भूतनाथ स्टेशन से मलाही पकड़ी स्टेशन सेक्शन के आगामी उद्घाटन की तैयारी के लिए 26 फरवरी को मेट्रो ट्रेन का महत्वपूर्ण ट्रायल रन किया जाएगा। इस कारण, 26 फरवरी को मेट्रो की राजस्व सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगी। मेट्रो सेवाएं 27 फरवरी से पहले की तरह सामान्य समय पर पुनः शुरू हो जाएंगी। मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने से पहले फरवरी के अंतिम सप्ताह में कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की (CMRS) अंतिम जांच प्रस्तावित है। सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरने के बाद, मार्च के पहले सप्ताह में इन दोनों स्टेशनों से मेट्रो सेवा शुरू हो सकती है। इस दौरान टीम मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी।

चतरा एयर एम्बुलेंस हादसा, पटना के सचिन मिश्रा की मौत, बतौर नर्सिंग स्टाफ थे तैनात

पटना। चतरा में एयर एम्बुलेंस क्रैश के दौरान पटना के सचिन मिश्रा की भी मौत हो गई। सचिन उस एयर एम्बुलेंस में बतौर नर्सिंग स्टाफ मौजूद थे। हादसे से चंद घंटे पहले ही उन्होंने अपने घर पर बीमार मां से फोन पर बात कर हाल-चाल पूछा था। बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां की तबीयत बिगड़ गई। परिजन बताते हैं कि वह बार-बार बेहोश हो जा रही थीं। सचिन चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। पिता का निधन वर्ष 2005 में हो गया था। इसके बाद बड़े भाइयों ने ननिहाल पक्ष के सहयोग से परिवार की जिम्मेदारी संभाली। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद पूजा-पाठ कर सचिन को पढ़ाया-लिखाया गया। परिवार फिलहाल राजीव नगर में रहता है, जबकि पैतृक घर सिवान जिले के तिलकथू थाना हसनपुरा में है। सचिन की मां ने बताया कि, उनकी तबीयत खराब चल रही थी, जिसके चलते बेटा छुट्टी लेकर उनसे मिलने घर आना चाहता था, लेकिन अस्पताल के कर्मियों की ओर से छुट्टी नहीं दी गई। तीन दिन पहले किसी पेशेंट को लेकर पटना एयरपोर्ट भी आया था। वहां से वह मिलने आ रहा था, लेकिन हॉस्पिटल के कर्मियों ने उसे एयरपोर्ट पर ही रोक दिया। मृतक की बहन ने बताया कि, दोपहर में मां से सचिन की बात हुई थी। मां ने दवा के रिएक्शन की जानकारी दी, जिस पर सचिन ने एक डॉक्टर को दिखाने की सलाह दी। इसके बाद शाम से उनका फोन बंद हो गया। लगातार कॉल करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। मृतक की बहन ने बताया कि, दोपहर के वक्त सचिन की बात मां से हुई थी। मां ने उसे दवा रिएक्शन के बारे में बताया था। तब उसने एक डॉक्टर के बारे में सजेस्ट किया और बोला वहां दिखा लो। इसके बाद शाम से उसका कॉल लगना बंद हो गया। लगातार हम लोग कॉल करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन लग नहीं रहा था। मेरा भाई मां को देखने के लिए बेचैन था। छुट्टी मांग रहा था, लेकिन उसके अस्पताल के कर्मियों ने छुट्टी नहीं दी। बहन का कहना है कि सचिन मां को देखने के लिए परेशान थे और छुट्टी मांग रहे थे। अगर उन्हें छुट्टी मिल जाती, तो शायद यह हादसा नहीं होता। परिजनों ने अस्पताल कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। सचिन के मामा दिनेश पांडे ने बताया कि, घटना के बारे में रात 11 बजे के वक्त जानकारी मिली। उसी समय परिवार के लोग वहां के लिए रवाना हुए। सुबह 7 बजे पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम समेत अन्य प्रक्रिया पूरी होते 12 बज गया। उन्होंने बताया कि मौके पर कई अधिकारी पहुंचे और आश्वासन दिया, लेकिन अब तक परिवार को किसी तरह की आर्थिक सहायता नहीं मिली है। यहां तक कि एंबुलेंस का खर्च भी नहीं दिया गया। जिस कंपनी में सचिन कार्यरत थे, उसकी ओर से भी कोई मदद नहीं मिली है।

बिहार के छात्र की लाश बालाघाट में मिली, हैदराबाद में कर रहा था नीट की तैयारी

बालाघाट। बालाघाट जिले में बिहार के एक छात्र का शव रेलवे लाइन पर कटा हुआ मिला है। छात्र की पहचान आदित्य (21) पुत्र हरिवंश राय के रूप में हुई है। वह हैदराबाद में अपने जीजा के यहां रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। बुधवार को परिजनों के पहुंचने पर शव की पहचान की गई। यह घटना मंगलवार की है। आरपीएफ को समनापुर और चरेगांव के बीच रेलवे लाइन पर खंभा नंबर 1061/4/7 के पास एक युवक का ट्रेन से कटा हुआ शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और जंगल क्षेत्र से शव को बरामद किया। आदित्य हैदराबाद से बिहार स्थित अपने गांव जाने के लिए होली स्पेशल चिरापल्ली-दानापुर एक्सप्रेस में सवार हुआ था। वह बालाघाट कैसे पहुंचा और उसके साथ यह घटना कैसे हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। आरपीएफ और ग्रामीण थाना पुलिस दोनों मिलकर मामले की जांच कर रही हैं। बुधवार को युवक के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर सूचना मिलने के बाद आदित्य के जीजा सिकंदर कुमार बालाघाट जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि आदित्य उनके यहां रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। 23 फरवरी को उन्होंने उसे ट्रेन में बैठाकर रवाना किया था। रात में उससे बात हुई थी, लेकिन उसके बाद संपर्क नहीं हो सका। मंगलवार को आदित्य के साथ हुई घटना की सूचना मिलने पर वह अपने बड़े भाई अविनाश के साथ यहां पहुंचे हैं। आरपीएफ एसआई विभा ने जानकारी दी कि घटनास्थल के पास ही एक पेड़ के नीचे आदित्य का बैग मिला है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि युवक एक्सप्रेस ट्रेन से कहां उतरा और यहां कैसे पहुंचा। आरपीएफ को यह भी जानकारी मिली है कि युवक मालगाड़ी ट्रेन के सामने आ गया था। फिलहाल, मामला संबंधित थाना क्षेत्र का होने के कारण ग्रामीण थाना पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। चिरापल्ली से दानापुर एक्सप्रेस नैनपुर के बाद बालाघाट में रुकती है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि युवक बालाघाट में उतरकर किसी अन्य ट्रेन से यहां पहुंचा होगा और इसके बाद सुनसान, जंगली क्षेत्र में उसने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली होगी। ग्रामीण थाना एसआई विजय पाटिल मामले की जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही युवक की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो पाएगी।

रेलवे लाइन किनारे मिले अज्ञात शव की हुई पहचान, मधेपुरा का रहने वाला था मृतक

हाजीपुर। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र में बासुदेवपुर चंदेल रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान मधेपुरा जिले के आलम नगर थाना अंतर्गत चंदसारा गांव निवासी मिथुन मांझी (35) के रूप में हुई है। शव 24 फरवरी को बरामद किया गया था। यह घटना महनार रेलवे स्टेशन से लगभग तीन किलोमीटर पूर्व बासुदेवपुर चंदेल रेलवे स्टेशन के पास हुई। पुलिस को इस संबंध में रेलवे स्टेशन मास्टर द्वारा मंगलवार को सूचना मिली थी। जानकारी के अनुसार, मिथुन मांझी पिछले तीन महीने से राजस्थान में मजदूरी कर रहे थे। उनकी पत्नी शालिता देवी ने बताया कि उनकी आखिरी बात रविवार सुबह हुई थी। मिथुन मांझी अपने छह भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में एक बेटा और दो बेटियां हैं। मृतक की पत्नी ने बताया कि शुक्रवार को पति से बात हुई थी, जिसमें उन्होंने शनिवार को ट्रेन पकड़कर घर आने की बात कही थी। शनिवार को उनसे बात नहीं हो पाई। पत्नी के अनुसार, उन्हें बाद में पता चला कि ट्रेन से गिरने के कारण पति की मौत हो गई है। वैशाली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

बाहुबली अनंत सिंह-सूरजभान के समर्थकों के बीच बवाल

एजेंसी, पटना

विधानसभा चुनाव के बाद मोकामा में अनंत सिंह और सूरजभान गुट आमने-सामने है। रविवार (22 फरवरी) को अनंत सिंह के खास शोभीर सिंह की एनएच-31 स्थित पंडारक बाजार में गमछा से गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। मारपीट और हत्या की कोशिश का आरोप सूरजभान सिंह के बहनोई खन्ना सहित पर लगा। अब इस मामले में पुलिस ने पूर्व सांसद समेत 8 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जख्मी के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें सूरजभान सिंह और कन्हैया सिंह पर साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। पुलिस पूरे मामले को लेकर तफ्तीश कर रही है। वहीं, केस दर्ज होने के बाद समर्थकों के बीच तनाव बढ़ गया है। इधर, सूरजभान सिंह के समर्थक इसे राजनीतिक साजिश करार दे रहे हैं।

छोटे सरकार का खास बोला- गमछे से गला घोंटकर मारने की कोशिश, सूरजभान समेत 8 पर केस

22 फरवरी को मोकामा के विधायक बाहूबली अनंत सिंह के समर्थक शोभीर और उसके भाई अमित कुमार पर सूरजभान सिंह के बहनोई खन्ना सहित कई लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना के बाद मोकामा विधानसभा चुनाव रंजिश का मामला एक बार फिर ताजा हो गया। पीड़ित का कहना है कि 22 फरवरी को वह तीन बजे अपने घर से निकल कर मंटुन पहलवान के घर के पास पहुंचा ही था। इसी बीच ओंकार उर्फ मिथुन, विकास कुमार, माधव कुमार उर्फ खन्ना, सुमन कुमार, अनिल सिंह उर्फ अकलु सिंह और किशु कुमार ने घेर लिया।

गमछी से गला घोंट छाती पर कूदने लगेः इतने में माधव कुमार उर्फ खन्ना एव ओंकार जान मारने की नीयत से गले मे गमछा बांध फंदा फंसाकर कस दिया। इस बीच अन्य आरोपित लात-मुक्के, फाइटर और पस्टिल की बट से मारने लगे। हमले में गला और दोनों आंखों में चोट आई। इसके बाद जमीन पर पटककर विकास कुमार छाती पर चढ़ गया और कूदने लगा। शोभीर कुमार ने बताया, इससे मेरे मुंह से खून बहने लगा और मैं बेहोश हो गया। जब होश आया तो खुद को पंडारक पीएचसी में पाया। वहां से हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।

दुलारचंद हत्याकांड केस में फंसायाः शोभीर के भाई अमित का कहना है कि, हमलोग अनंत सिंह के समर्थक हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान दुलारचंद मर्डर केस में हम लोगों का कोई हाथ नहीं था लेकिन इसके बावजूद मेरे तीन भाइयों को नामजद आरोपी बना दिया गया।

छात्रसंघ चुनावः बिना आईकार्ड के छात्र कर रहे प्रचार-प्रसार

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव को लेकर कैंपस पूरी तरह चुनावी रंग में रंगा हुआ है। इसी बीच नियमों और दिशा-निर्देशों को ताक पर रखकर प्रचार किए जाने की तस्वीरें सामने आ रही हैं। छात्र संगठनों से जुड़े छात्र नेता और उनके समर्थक खुलेआम आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। कॉलेज कैंपस के साथ-साथ सड़कों पर भी बड़ी संख्या में भीड़ जुटाकर पर्चियां उड़ाई जा रही हैं। कई जगहों पर देखा गया कि प्रचार कर रहे छात्रों के गले में न तो आईडी कार्ड था और न ही कोई पहचान पत्र। ऐसे में यह पता लगाना मुश्किल हो गया है कि प्रचार करने वाले सभी लोग वास्तव में यूनिवर्सिटी के छात्र हैं या बाहरी लोग भी इसमें शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रचार के दौरान पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा और प्रत्याशी अधिकतम पांच समर्थकों के साथ ही प्रचार कर सकेंगे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई दे रही है।

छात्र संघ चुनाव में इस बार महिला कॉलेजों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। कारण यह है कि यूनिवर्सिटी के महिला कॉलेजों में मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है और वही चुनाव परिणाम तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। पटना वीमेंस कॉलेज और मगध महिला कॉलेज जैसे संस्थानों में प्रत्याशियों की सक्रियता ज्यादा देखने को मिल रही है। यहां बड़े पैमाने पर प्रचार किया जा रहा है, जबकि नियमों के अनुसार सीमित संख्या में ही समर्थकों के साथ प्रचार की अनुमति है।

तय से ज्यादा संख्या में जुट रहे, सड़कों पर छात्र नेता उड़ा रहे पर्ची, प्रशासन ने दी है चेतावनी

'राहुल जी, थोड़ा परिपक्व बनिए, देश को बदनाम मत करिए'

एजेंसी, पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने उन पर तीखा प्रहार किया है। राहुल गांधी ने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को "तानाशाही प्रवृत्ति" बताया और ट्रेड डील को देशहित के खिलाफ करार दिया। ललन सिंह ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को अपरिपक्व और देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताया।

राहुल जी, थोड़ा अपने में सुधार लाइए- ललन सिंहः केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा, 'राहुल जी आपकी बात सुनकर मुझे हंसी आती है। थोड़ा तो परिपक्व बनिए। क्यों अपने आप को हास्यास्पद बनाते हैं। मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं और उनके लिए सबसे पहले देश है। आपकी तरह वह हर बात पर टाय-टाय नहीं करते हैं।

AI समिट हुआ पूरे दुनिया के लोग आए, पूरे दुनिया ने इस समिट को सारा और राहुल जी आपने क्या किया आपने वहां पर अपने कार्यकर्ताओं की ओर से नंगा प्रदर्शन करवाया। आपको थोड़ी सी लज्जा नहीं आई कि अपने पूरे देश को बदनाम कर दिया। पूरे विश्व के सामने जिस तरीके की हरकत आपके कार्यकर्ताओं ने किया वह देशद्रोह नहीं है तो क्या हुआ। लेकिन आप कभी सुधरने वाले नहीं हैं, भगवान आपका भला करें। दरअसल राहुल गांधी ने X पोस्ट कर लिखा था कि, 'शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है।

पीएमसीएच में नवजात को लेकर भागी महिला, गेट पर पकड़ाई, गुस्साई भीड़ ने जमकर पीटा, आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में बच्चा चोरी का मामला सामने आया है। एक नवजात शिशु को जन्म के महज तीन घंटे बाद चुराने का प्रयास किया गया। इस घटना से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। हालांकि, परिजनों, पीएमसीएच सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से आरोपी महिला को अस्पताल के गेट के पास से पकड़ लिया गया और बच्चा सकुशल बरामद कर लिया गया। यह घटना सोमवार को प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में हुई।

खुद को रिश्तेदार बताया, फिर नवजात को लेकर निकलीः बुद्ध मार्ग, कमला नेहरू नगर बस्ती की एक महिला को सुबह भर्ती कराया गया था, जिसने 8:05 बजे बेटे को जन्म दिया। पति के कुछ देर के लिए बाहर जाने पर प्रसूता वार्ड में अकेली थी। इसी दौरान वार्ड में मौजूद जैकी कुमारी नामक महिला ने खुद को रिश्तेदार बताकर प्रसूता का विश्वास जीता। दोपहर करीब 1 बजे जब प्रसूता सो गई तो आरोपी महिला ने नवजात को गोद में लिया और कपड़े में छिपाकर वार्ड से बाहर निकल गई। कुछ मिनटों बाद जब पति लौटे और बच्चे को गायब देखा, तो वार्ड में हंगामा मच गया। सूचना मिलते ही PMCH पुलिस सक्रिय हुई और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में एक महिला संदिग्ध हालत में झाड़ियों की ओर जाती दिखी, जिसके हाथ में कपड़े में लिपटी नवजात थी।

♦ बच्चे को सकुशल किया बरामद

इसके बाद सुरक्षाकर्मियों और परिजनों ने उसे गेट के आगे दुर्गा मंदिर के पास धर दबोचा। गुस्साई भीड़ ने उसकी पिटाई भी की, जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि, 'उसकी शादी तीन साल पहले मध्य प्रदेश में हुई थी, लेकिन संतान न होने के कारण उसे ससुराल में ताने और प्रताड़ना झेलनी पड़ती थी। इसी दबाव में उसने बच्चा चोरी की योजना बनाई।' पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। नवजात को सकुशल बरामद कर उसकी मां को सौंप दिया गया है। पीएमसीएच अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि, घटना पुरानी गायनी वार्ड की है। नए भवन में सुरक्षा व्यवस्था सख्त है और अब सभी भर्ती मरीज के लिए केवल एक परिजन को ही वार्ड में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए पहचान-पत्र आधारित कार्ड जारी किया जाएगा। साथ ही सीसीटीवी निगरानी और गार्ड तैनाती को और मजबूत करने की बात कही गई है। हालांकि, उन्होंने बताया कि घटना के तत्काल बाद ही पुलिस और गार्ड की सक्रियता से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है और वार्ड के बाहर जांच और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पटना शहर में हाल के दिनों में बच्चा चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में हुई इस वारदात ने सुरक्षा इंतजामों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। यदि थोड़ी भी देरी होती तो आरोपी महिला नवजात को लेकर फरार हो सकती थी। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अस्पताल प्रशासन ने भी सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा शुरू कर दी है।

नितिन नवीन ने गांधी परिवार की राजनीति पर उठाए सवाल, बोले-राहुल गांधी विदेशी शक्तियों की कठपुतली

एजेंसी, पटना

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पटना से दिल्ली जाने से पहले कांग्रेस और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। नितिन नवीन ने कहा कि, राहुल गांधी ने अब तक 247 से अधिक विदेशी यात्राएं की हैं, लेकिन इनमें से आधी से ज्यादा यात्राओं की जानकारी देश की सुरक्षा एजेंसियों को नहीं दी गई। यह अपने आप में एक "कॉम्प्रोमाइज मिशन" का संकेत है, जो देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

'गांधी परिवार की राजनीति कॉम्प्रोमाइज पर आधारित'- नितिन नवीनः नितिन नवीन ने कहा कि, 'गांधी परिवार की पूरी राजनीति देश की जनता से समझौता करने की विरासत पर टिकी रही है।' उन्होंने आरोप लगाया कि 'कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रीय हितों की बजाय निजी और विदेशी हितों को प्राथमिकता दी।'

नेहरू काल पर भी साधा निशानाः बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि, 'नेहरू ने स्वयं यह स्वीकार किया था कि 45 करोड़ जनता हमारी लायबिलिटी है।' नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि 'उस दौर में नेहरू का सचिवालय विदेशी एजेंसियों, यहां तक कि CIA के लिए भी खुला रहता था।

राजीव गांधी पर भ्रष्टाचार के आरोपः बीजेपी नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि, 'बीजेपी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए हर उस राजनीति का विरोध करेगी, जो देश की सुरक्षा और संप्रभुता से समझौता करती हो।'

युवाओं को गुमराह करने का आरोपः नितिन नवीन ने कहा कि कांग्रेस आज भी उसी सोच के साथ आगे बढ़ रही है और देश के युवाओं को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस ने पहले देश के हितों से समझौता किया और अब नई पीढ़ी को भ्रमित करने की राजनीति कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि, 'देश की जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में कांग्रेस और गांधी परिवार को उनके "कॉम्प्रोमाइज मिशन" की सजा जरूर देगी।'

बिहार के दंपती ने बच्चों समेत गुजरात में की आत्महत्या

एजेंसी, पटना

बिहार के एक परिवार के तीन सदस्यों ने गुजरात के सूरत में आत्महत्या कर ली। मृतकों में पति, पत्नी और एक बेटी शामिल हैं। वहीं दूसरी बेटी अभी भी अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना सूरत के वेसु इलाके स्थित हैप्पी एलीगेंस बिल्डिंग की है। मृतकों के घर से तीन पन्नों का एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें वैभव रुंगटा नाम के व्यक्ति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है। वहीं स्थानीय लोग शेयर बाजार में हुए नुकसान और कर्ज के दबाव को आत्महत्या की वजह बता रहे हैं।

घर से बरामद तीन पन्नों के सुसाइड नोट पर प्रियंका और बालमुकुंद खेतान के हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने जब प्रियंका के सिग्नेचर और हैंडराइटिंग का सुसाइड नोट से मिलान किया, तो पता चला कि यह नोट प्रियंका खेतान ने ही लिखा था। सुसाइड नोट में दोनों ने अपने पालतू कुत्ते 'कैंडी' को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने लिखा है, "कैंडी को सुरक्षित रखने के लिए उसे किसी डॉग शेल्टर या पालतू पशु देखभाल केंद्र में भेज दिया जाए।"

लैंड फॉर जॉब मामले में आज हो सकती सुनवाई

एजेंसी, पटना

लैंड फॉर जॉब मामले में आज दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में अहम सुनवाई होने की संभावना है। इस सुनवाई में पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी के अदालत में पेश होने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके पहले, मंगलवार को लालू यादव और राबड़ी देवी दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में लालू अपना रूटीन हेल्थ चेकअप भी कराएंगे। लैंड फॉर जॉब मामले में इसके पहले 16 फरवरी को सुनवाई हुई थी। इस दौरान लालू यादव व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे थे।

उस समय उनके साथ राबड़ी देवी और उनकी सांसद बेटी मीसा भारती भी मौजूद थीं। अदालत परिसर में उस दिन सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। आज की सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं, क्योंकि इस मामले में अदालत की कार्यवाही राजनीतिक रूप से भी काफी अहम मानी जा रही है। इधर, सुनवाई से पहले मीसा भारती ने कहा है था कि, मामला कोर्ट में है और हमें कोर्ट पर विश्वास है कि हमें न्याय मिलेगा। एक ही केस में बहुत से केस बनाने से लोगों को परेशानी हो रही है।' कोर्ट रूम में क्या हुआ आज आरोपों को तय करने कानूनी प्रक्रिया चल रही थी। करीब 18 दिन पहले, सुनवाई के दौरान स्पेशल जज विशाल गोग्ने ने अपने आदेश में कड़ी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, 'लालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहा था। सरकारी नौकरियों के बदले संपत्ति हासिल करने की एक व्यापक साजिश रची गई थी'।

बिहार में बांस क्लस्टर विकसित होंगे, किसानों की बढ़ेगी आय

शिखर सम्मेलन में पहुंचे रामकृपाल यादव, बोले- बांस उद्योग से सशक्त होगा ग्रामीण बिहार

एजेंसी, पटना

बिहार में बांस आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कृषि भवन में बिहार बांस अर्थव्यवस्था शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन बिहार सरकार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने किया। सम्मेलन में राज्य के विभिन्न जिलों से आए किसान, बांस उत्पादक समूहों के प्रतिनिधि, उद्यमी, उद्योग विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान बांस उत्पादन, वैज्ञानिक प्रसंस्करण, विपणन, स्टार्टअप की संभावनाएं और रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बांस से बढ़ेगी किसानों की आयः कृषि मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बांस बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। इसके वैज्ञानिक और व्यावसायिक उपयोग से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने बताया कि बांस अब केवल पारंपरिक उपयोग तक सीमित नहीं है। इससे फर्नीचर, अगरबत्ती, हस्तशिल्प, निर्माण सामग्री, सजावटी वस्तुएं और बायो-एनर्जी जैसे विभिन्न उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार बांस आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराएगी। इसके लिए विशेष योजनाएं तैयार की जा रही हैं, ताकि ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके।

विशेषज्ञों ने दिए सुझावः सम्मेलन में उपस्थित विशेषज्ञों ने बांस की उन्नत खेती, आधुनिक मशीनों के माध्यम से प्रसंस्करण और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ने की रणनीतियों पर अपने विचार रखे। विशेषज्ञों का कहना था कि यदि किसान समूह बनाकर बांस उत्पादन करें और प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करें, तो यह क्षेत्र एक बड़े उद्योग के रूप में विकसित हो सकता है।

स्टार्टअप और रोजगार के अवसरः कार्यक्रम के दौरान बांस आधारित स्टार्टअप की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि बांस उद्योग न केवल किसानों की आय बढ़ाएगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित करेगा। सरकारी अधिकारियों ने जानकारी दी कि आने वाले समय में बांस क्लस्टर विकसित किए जाएंगे, जहां उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण और विपणन तक की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

संक्षिप्त समाचार

सजावार कैदी के पारिश्रमिक भुगतान मामले का निपटारा

बीएनएम @ मोतिहारी। मोतिहारी स्थित सेंट्रल जेल मोतिहारी में सजावार कैदी के पारिश्रमिक भुगतान से जुड़े मामले का निवारण कर दिया गया है। परिवादी हरिशंकर चौधरी, पिता स्व. शिवमंदिर चौधरी, ग्राम पपउर टोला नवादा, पोस्ट पतौरा, थाना सराय ओपी, जिला सिवान ने परिवाद दायर कर बताया था कि वे 5 मई 2018 से 30 सितंबर 2024 तक सेंट्रल जेल मोतिहारी में सजावार कैदी के रूप में कार्यरत रहे, लेकिन इस अवधि का पारिश्रमिक अब तक भुगतान नहीं किया गया था। उन्होंने अपने साथ कार्य करने वाले मुखदेव चौधरी के पारिश्रमिक भुगतान की भी मांग की थी। मामले के आलोक में लोक प्राधिकार-सह-कारा अधीक्षक, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी को 9 दिसंबर 2025 को नोटिस जारी कर जांच रिपोर्ट के साथ सुनवाई में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। सुनवाई के दौरान कारा अधीक्षक की ओर से प्रस्तुत प्रतिवेदन में बताया गया कि हरिशंकर चौधरी 5 अगस्त 2018 को मंडल कारा सिवान से स्थानांतरित होकर शेष सजा भुगतने के लिए इस जेल में आए थे। उन्हें 6 अगस्त 2018 से जेल के अंदर सफाई कार्य दिया गया था, जबकि 1 जनवरी 2023 से उन्होंने कार्य करने से इंकार कर दिया था। प्रतिवेदन में यह भी बताया गया कि बैंक खाता उपलब्ध नहीं रहने के कारण पारिश्रमिक का भुगतान लंबित था। आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने के बाद भुगतान की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके बाद 11 फरवरी 2026 को हुई सुनवाई में कारा अधीक्षक के प्रतिनिधि ने साक्ष्य के साथ उपस्थित होकर हरिशंकर चौधरी तथा उनके साथी मुखदेव चौधरी को प्रत्येक को 62,076 रुपये की पारिश्रमिक राशि का भुगतान कर दिया। भुगतान पर परिवादी ने सहमति जताई, जिसके बाद मामले को निवारित मानते हुए वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी गई।

शराब पीकर हंगामा करने वालों पर पुलिस की कार्रवाई, सात गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के मोतिहारी में शांति व्यवस्था बनाए रखने और शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराने को लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में जितना थाना क्षेत्र के जोलगाँवा गांव में गश्ती के दौरान शराब पीकर हंगामा कर रहे सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गश्ती के दौरान सूचना मिली कि कुछ लोग शराब के नशे में गांव में हंगामा कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पहुंची पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्तियों में सिपी सिंह, पिता स्व. रामचंद्र सिंह, निवासी बलुआ धेनुक, थाना जितना; मुन्ना कुमार, पिता पांचू साह, निवासी एकदरी, थाना छौड़ादानो; मुन्ना कुमार यादव, पिता हरेंद्र राय, निवासी एकदरी, थाना छौड़ादानो; जेबुउला अंसारी, पिता मंसूर आलम, निवासी भेलवा, थाना छौड़ादानो; गुड्डू दास, पिता सिकंदर दास, निवासी गोलापकड़ी, थाना लखौरा; रंजन कुमार, पिता विनोद प्रसाद, निवासी भेलवा, थाना छौड़ादानो तथा नितेश कुमार, पिता दुर्गा दास, निवासी गोला पकड़िया, थाना लखौरा शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी अभियुक्त पूर्वी चंपारण जिले के निवासी हैं। मामले में संबंधित थाना में कांड दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत प्रखंड कार्यालय में कर्मियों को खिलाई गई दवा

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया में फाइलेरिया (हाथी-पांव) से बचाव और नियंत्रण को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में तुरकौलिया सीएचसी के स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर सभी कर्मियों को एमडीए के तहत फाइलेरिया रोधी दवा खिलाई। स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रखंड कार्यालय के अलावा सीडीपीओ कार्यालय और थाना परिसर में भी पहुंचकर अधिकारियों व कर्मियों को दवा का सेवन कराया। इस दौरान लोगों को फाइलेरिया से बचाव और इसके लक्षणों के बारे में भी जानकारी दी गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि फाइलेरिया मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। ये मच्छर प्रायः गंदे पानी में पनपते हैं। संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद मच्छर खुद संक्रमित हो जाता है और फिर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटकर बीमारी फैला देता है। इस संक्रमण से व्यक्ति को हाथ-पांव में असामान्य सूजन (हाथी-पांव) और पुरुषों में हाइड्रोसिल जैसी समस्या हो सकती है। कई बार शुरुआती अवस्था में इसके स्पष्ट लक्षण भी दिखाई नहीं देते। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सभी लोगों का दवा सेवन करना बेहद जरूरी है। 100 प्रतिशत दवा सेवन से ही इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए दवा अवश्य लें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें। मौके पर बीएचएम नौशादुल आजम, ओंकारनाथ, एएनएम मेनका कुमारी व नीलम कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

डीएलसीसी व डीएलआरएसी की तृतीय तिमाही के बैंकों के प्रगति हुई समीक्षात्मक बैठक आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी@ निरज आनंद

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधा कृष्णन भवन सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलसीसी व डीएलआरएसी) की तृतीय तिमाही (2025-26) दिसंबर 25 की बैठक उप विकास आयुक्त (डीडीसी) डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में की गई। उक्त बैठक में सांसद राधा मोहन सिंह, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सांसद बेतिया प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, सांसद शिवहर प्रतिनिधि चन्द्रशेखर सिंह, नगर उप महापौर लाल बाबू प्रसाद, बिहार ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय प्रबंधक मनीष कुमार, एलडीओ आरबीआई, डीडीएम नाबार्ड, अग्रणी जिला प्रबंधक राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य प्रबंधक इंडियन बैंक जिला, पशुपालन पदाधिकारी, सेंट्रल बैंक आरसेटी डायरेक्टर बिपिन कुमार, जीविका सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक शामिल रहे। बैठक में जिला संबंधित पदाधिकारियों व बैंक प्रबंधकों के साथ सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। वार्षिक ऋण योजना की तृतीय तिमाही, केसीसी, प्राथमिकता क्षेत्र, ऋण-जमा अनुपात, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएमईजीपी, जिला साख योजना उपलब्धि, पीएमएफएमई, पीएमएसवीए निधि, महिला स्वयं सहायता समूह के क्रेडिट लिंकेज, गव्य विकास योजना, पशुपालन एवं मत्स्य पालन हेतु केसीसी, मुद्रा ऋण और पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई सहित अन्य की भी समीक्षा की गयी। वहीं जिला साख योजना के अन्तर्गत अच्छी उपलब्धि वाले बैंकों जैसे इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया इत्यादि बैंकों की सराहना की गई जबकि कम उपलब्धि वाले बैंकों इंडियन बैंक एवं बन्धन बैंक को अपना प्रदर्शन सुधारने के फटकार लगाई गई। जिला साख अनुपात के परिप्रेक्ष्य में पंजाब नेशनल बैंक एवं इंडियन बैंक को छोड़कर सभी बैंकों के प्रदर्शन के साथ जिले के साख जमा अनुपात 79.19 प्रतिशत की सराहना की गई। सांसद राधा मोहन सिंह ने बैंकों से सरकार प्रायोजित योजनाओं के आवेदनों को यथाशीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया, लम्बित न रखने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि बैंक किसी भी परिस्थिति में 15 दिनों के अन्दर ऋण आवेदनों का निष्पादन करें। सांसद श्री सिंह ने बैंकों को ऋण आवेदनों को उचित कारण के साथ निरस्त करने की सलाह दी। सांसद ने सभी बैंकों को इस तरह के जिला स्तरीय बैठक में लिए गए निर्णय को गंभीरता से लेने के लिए कहा। सांसद के आदेशानुसार पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई की समीक्षा बैंकवार जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने विस्तृत रूप से की। डीडीसी डॉ. कुमार ने ब्रांचों में लंबित सभी आवेदनों को यथाशीघ्र निष्पादन करने तथा जिनका लक्ष्य पुरा नहीं हुआ है या शून्य है उसको पूरा कर अग्रणी जिला कार्यालय को अविलंब सुचित करने हेतु सख्त निर्देश दिया। अंत में अध्यक्ष की अनुमति से एलडीएम राजेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा बैठक में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन कर बैठक की कार्रवाई को समाप्त की गई।

ई-ग्राम कचहरी को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बीएनएम @ तुरकौलिया

प्रखंड सभागार में सरपंच, उप सरपंच, न्याय मित्र तथा ग्राम कचहरी सचिवों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम कचहरी को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनर के रूप में कार्यपालक सहायक जयप्रकाश कुमार, चंदन कुमार शुक्ला और अनिल कुमार ने प्रतिभागियों को ई-ग्राम कचहरी प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा ग्राम कचहरी को डिजिटल बनाने के उद्देश्य से ई-ग्राम कचहरी पहल शुरू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर विवादों का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से निपटारा करना है। प्रशिक्षकों ने बताया कि ई-कोर्ट व्यवस्था के तहत ग्राम कचहरी में होने वाली सभी न्यायिक कार्यवाहियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी और भ्रष्टाचार तथा पक्षपात की शिकायतों में कमी आएगी। साथ ही मामलों के निपटारे में लगने वाला समय भी कम होगा। उन्होंने बताया कि ई-ग्राम कचहरी के माध्यम से सभी मामलों और दस्तावेजों का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा, जिससे दस्तावेजों की सुरक्षा और उनकी उपलब्धता आसान होगी। ग्रामीण लोग अब घर बैठे ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करा सकेंगे, जिससे न्याय तक उनकी पहुंच और सरल हो जाएगी। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी जागरूकता भी बढ़ेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरपंच संघ के अध्यक्ष विजय सिंह कुशवाहा, राजेन्द्र सहनी, अतिउल्लाह, सीकेन्द्र पासवान, अलीशा बेगम सहित कई सरपंच और न्याय मित्र मौजूद थे।

एस.एस.बी. व नेपाल एपीएफ के मध्य कमांडेंट स्तरीय काउंटरपार्ट समन्वय मासिक बैठक का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) तथा नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के मध्य कमांडेंट स्तरीय 'सी समवाय' के अंतर्गत बेलदरवामठ कैंप में काउंटरपार्ट समन्वय मासिक बैठक बुधवार को आयोजित की गई। उक्त बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना तथा द्विपक्षीय समन्वय एवं सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। दोनों पक्षों ने सीमा पार अपराधों की रोकथाम के लिए आपसी सूचना आदान-प्रदान को और प्रभावी बनाने पर सहमति व्यक्त की। इस दौरान अवैध तस्करी, मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, नकली मुद्रा, वन एवं वन्यजीव उत्पादों की तस्करी, नारकोटिक्स, नक्सल विरोधी गतिविधियों, आतंकवादी गतिविधियों तथा अन्य निषिद्ध वस्तुओं से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। दोनों देशों के अधिकारियों ने इन गतिविधियों की रोकथाम हेतु संयुक्त प्रयास बढ़ाने पर बल दिया। साथ ही, नो-मैन्स लैंड एवं सीमा क्षेत्र में अतिक्रमण से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। आगामी नेपाल चुनाव के मद्देनज़र सीमा पर सतर्कता बढ़ाने तथा समन्वय को और अधिक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में एसएसबी की ओर से प्रफुल्ल कुमार (कमांडेंट), विश्वजीत तिवारी (उप कमांडेंट) एवं निरीक्षक राजेंद्र सिंह राठौड़ उपस्थित रहे। एपीएफ नेपाल की ओर से बिशाल सिलवाल (एस.पी., 12वीं एपीएफ बारा, नेपाल) एवं धन बहादुर राणा (डी.एस.पी., 12वीं एपीएफ बारा, नेपाल) ने सहभागिता की। इस प्रकार की नियमित समन्वय बैठकें भारत–नेपाल के पारंपरिक "बेटी-रोटी" के मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करती हैं तथा सीमा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आज 5 स्थलों पर भूकम्प से बचाव हेतु मॉक अभ्यास का होगा आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से राज्य के 21 जिलों में दिनांक 26 फरवरी 2026, आज गुरुवार को भूकम्प से बचाव संबंधी तैयारियों की समीक्षा एवं विभिन्न विभागों की क्षमता परखने के उद्देश्य से मॉक अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वी चम्पारण जिले का चयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्वी चम्पारण जिला भूकम्प संवेदनशीलता की दृष्टि से उच्च जोखिम वाले क्षेत्र (जोन-6) में अवस्थित है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देशन में जिले में निम्नलिखित पाँच सिमुलेशन साइट का चयन किया गया है जिसमें सदर अस्पताल, मोतिहारी, वी2 मॉल, राजाबाजार, एस.वी. पेट्रोल पंप, छोटा बरियारपुर, इंजीनियरिंग कॉलेज, मोतिहारी तथा विकास भवन, जिला समाहरणालय, मोतिहारी। इन सभी स्थलों पर दिनांक 26/02/2026 को प्रातः 8:00 बजे से भूकम्प मॉक अभ्यास प्रारंभ होगा। इस दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) एवं राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों द्वारा राहत एवं बचाव से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। मॉक अभ्यास के लिए गांधी मैदान में स्टेजिंग एरिया बनाते हुए मॉडल राहत केंद्र का निर्माण किया गया है। संयुक्त आदेश के माध्यम से दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही सशस्त्र सीमा बल 71वीं वाहिनी तथा तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त द्वारा पर्यवेक्षक की नियुक्ति भी की गई है। बुधवार को राजेंद्र भवन सभागार में ब्रीफिंग कार्यक्रम का आयोजन कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर विशेष कार्य पदाधिकारी, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), उप निर्वाचन पदाधिकारी, एनडीआरएफ टीम कमांडर, एसडीआरएफ टीम, आपदा मित्र सदस्य सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।जिला प्रशासन आम जनमानस से अपील करता है कि उक्त मॉक अभ्यास को केवल जनजागरूकता एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के रूप में देखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा भ्रम की स्थिति से बचें।

होली को लेकर तुरकौलिया थाना में शांति समिति की बैठक

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना परिसर में बुधवार को होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने की। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि होली के दौरान डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। यदि कहीं डीजे बजाते हुए पकड़ा गया तो डीजे संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अश्लील और फूहड़ गीतों पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि होली के नाम पर हुड़दंग मचाने वालों की खैर नहीं होगी और अशांति फैलाने वालों को सीधे हवालात की हवा खानी पड़ेगी। थानाध्यक्ष ने यह भी कहा कि अपरिचित पुरुष या महिला को जबरन रंग लगाना भी अपराध की श्रेणी में आएगा। शराब पीकर हुड़दंग मचाने या तेज रफ्तार से वाहन चलाकर लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि होली के दौरान क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती कर शांति एवं सौहार्द का माहौल बनाए रखा जाएगा। बैठक में पीएसआई गजाधर रजक, एएसआई विश्वजीत कुमार, जदयू अध्यक्ष अजय पटेल, मुखिया कयामुद्दीन, सरपंच विजय सिंह, अतिउल्लाह आलम, रसूल अंसारी, अजमल कमाल उर्फ लाल, पंचायत समिति सदस्य ईद महम्मद देवान, शेख नुरुल्लाह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

विशेष अभियान में पुलिस की बड़ी सफलता, भारी मात्रा में शराब व चोरी की बाइक बरामद

बीएनएम @ पहाड़पुर

शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पहाड़पुर थाना पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए अवैध शराब के बड़े खेप का खुलासा किया। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में कुल 343 पीस 8 PM फ्रूटी एवं ऑफिसर चॉइस फ्रूटी जब्त की गई, जिसकी कुल मात्रा 61.740 लीटर विदेशी शराब है। इसके अलावा 28 लीटर देशी शराब भी मौके से बरामद की गई। इस प्रकार कुल 89 लीटर से अधिक शराब पुलिस ने जब्त की है। छापेमारी के दौरान तीन मोटरसाइकिल भी बरामद की गईं। जांच के क्रम में एक मोटरसाइकिल चोरी की पाई गई, जबकि अन्य दो वाहनों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि शराब तस्करी में वाहनों का उपयोग किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान अर्जुन मुखिया, पिता– ध्रुव मुखिया, साकिन– नया गांव भुतहा, थाना– पहाड़पुर, जिला– पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ जारी है और इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बरामद शराब को जब्त कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी अजय कुमार ने कहा कि शराब तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

भयमुक्त व सौहार्दपूर्ण माहौल में वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला के मेहसी स्थित ट्रांसेंडेंस इंटरनेशनल स्कूल स्थित परीक्षा केंद्र संख्या- 5535 पर आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 का बुधवार को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक समापन हो गया। परीक्षा के अंतिम दिन भी केंद्र पर अनुशासन, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। परीक्षा अवधि के दौरान केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। परीक्षार्थियों की सघन जांच, प्रवेश पत्र सत्यापन तथा कक्ष निरीक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी, जिससे परीक्षा निष्पक्ष और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके। केंद्र प्रशासन द्वारा स्वच्छ पेयजल, बैठने की उचित व्यवस्था तथा समयबद्ध प्रश्नपत्र वितरण जैसी व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया। केंद्राधीक्षक मोहम्मद तैयब अली के नेतृत्व में उप केंद्र अधीक्षक मोहम्मद मेराज नदवी ने पूरे परीक्षा संचालन की सतत निगरानी की। कार्यालय सहायक मो. सद्दाम हुसैन,रेणु कुमारी, पवन कुमार, अभिषेक कुमार, कौसर आलम अंसारी, रजनीकांत कुमार एवं परंतु कुमार बैठा सहित केंद्र पर कार्यरत सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। सभी कर्मियों के सामूहिक प्रयास से परीक्षा का सफल संचालन संभव हो सका। केंद्राधीक्षक ने बताया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या शिकायत की सूचना नहीं मिली। परीक्षार्थियों ने भी संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें शांत और सहयोगपूर्ण वातावरण में परीक्षा देने का अवसर मिला। स्थानीय अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी केंद्र प्रशासन की व्यवस्थाओं की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार की पारदर्शी एवं अनुशासित व्यवस्था से शिक्षा व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूती आती है। इस प्रकार केंद्र संख्या 5535, ट्रांसेंडेंस इंटरनेशनल स्कूल, बारा चकिया में आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 का समापन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

होली पर हुड़दंगियों की खैर नहीं, डीजे पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना परिसर में बुधवार को आगामी होली पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता पुलिस इंस्पेक्टर संजय कुमार पाठक ने की, जिसमें क्षेत्र के दर्जनों जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग शामिल हुए।बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने जनता से होली का त्योहार आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस इंस्पेक्टर ने स्पष्ट किया कि डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।वहीं, थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने चेतावनी दी कि हुड़दंग करने वाले और अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह, सोनी कुमारी सहित डॉ. अभिषेक मिश्रा और प्रेम चौधरी जैसे कई समाजसेवी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि की अनदेखी पर भड़के विधायक

बीएनएम @ बगहाः वाल्मीकि नगर के विधायक सुरेंद्र प्रसाद ने चम्पारण के चार प्रखंडों—बगहा-2, पिपरासी, ठकराहा और मधुबनी—के प्रखंड विकास पदाधिकारियों (BDO) के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। विधायक ने ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र लिखकर इन अधिकारियों के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। विधायक का आरोप है कि ये चारों अधिकारी सरकारी कार्यों में स्वेच्छाचारिता बरत रहे हैं और वित्तीय अनियमितताओं की प्रबल आशंका है। 24 फरवरी 2026 को जारी इस पत्र में उल्लेख किया गया है कि विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट और खर्च की गई राशि की जानकारी मांगने के लिए 11 फरवरी को कई पत्र (अनुस्मारक सहित) भेजे गए थे, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।विधायक सुरेंद्र प्रसाद, जो विधानसभा की याचिका समिति के सदस्य भी हैं, ने इसे घोर प्रशासनिक अनुशासनहीनता और जनप्रतिनिधि के अधिकारों का हनन बताया है। उन्होंने आशंका जताई कि योजनाओं में हुई संभावित गड़बड़ी को छिपाने के लिए ही जानकारी साझा नहीं की जा रही है। पत्र में उन्होंने निष्पक्ष जांच के लिए इन चारों बीडीओ के तत्काल स्थानांतरण या पद से हटाने की पुरजोर मांग की है।

संजय झा बने 'भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह' के अध्यक्ष

बुद्धिजीवियों ने जताई खुशी

बीएनएम @ दरभंगा। राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा को भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर मिथिलांचल सहित पूरे बिहार के शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों में हर्ष की लहर है। इस नियुक्ति को भारत और जर्मनी के बीच शैक्षिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक संबंधों को प्रगाढ़ करने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।विद्वानों ने इस अवसर पर ऐतिहासिक संदर्भों को याद करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। मिथिला शोध संस्थान के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. मित्रनाथ झा और डॉ. संतोष कुमार पासवान ने जर्मन विद्वान मैक्समूलर के योगदान का उल्लेख किया, जिन्होंने भारतीय वैदिक संस्कृति और दर्शन को विश्व पटल पर पहचान दिलाई थी। माँ श्यामा मंदिर न्यास समिति के उपाध्यक्ष प्रो. जयशंकर झा ने मैक्समूलर और स्वामी विवेकानंद के बीच के आध्यात्मिक संबंधों को रेखांकित करते हुए संजय झा को बधाई दी।शिक्षाविद डॉ. शिवकिशोर राय और कला-संस्कृति विभाग के सदस्य उज्ज्वल कुमार ने इसे मिथिला के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर संदीप विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समीर वर्मा, जदयू नेता विनोदानंद झा और पंडित महेशकांत झा सहित कई गणमान्य लोगों ने विश्वास जताया कि संजय झा के कुशल नेतृत्व में दोनों देशों के बीच ज्ञान-विज्ञान और कूटनीतिक क्षेत्रों में नए अध्याय जुड़ेंगे।

पिपरपाती न्यू एरिया से 108 लीटर बीयर बरामद

नगर निगम मेयर के बॉडीगार्ड हिरासत में

बीएनएम @ गयाजी। बिहार के गया शहर में शराबबंदी कानून को ठेंगा दिखाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। कोतवाली थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पिपरपाती न्यू एरिया इलाके में बड़ी छापेमारी करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार से 108 लीटर बीयर बरामद की है। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस ने नगर निगम के मेयर के सरकारी बॉडीगार्ड को मौके से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही, पकड़े गए बॉडीगार्ड की पैरवी करने आए मेयर के एक निजी (प्राइवेट) बॉडीगार्ड को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।डीएसपी टाउन सनोज कुमार ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में शराब बरामद हुई। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है। जांच का मुख्य केंद्र यह है कि शराब की यह खेप कहाँ से लाई गई थी और इसे शहर में किसे सप्लाई किया जाना था। इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी ने शहर के प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है।

9 किमी लंबी 6-लेन सड़क का जल्द शुरू होगा निर्माण

778 करोड़ की योजना से भागेगा जाम

बीएनएम @ पटना। राजधानी पटना की यातायात व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में पटना रिंग रोड प्रोजेक्ट ने एक बड़ी छलांग लगाई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने शेरपुर से कन्हौली तक बनने वाली 6-लेन ग्रीनफील्ड सड़क के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। अब निर्माण एजेंसी के चयन की अंतिम कार्यवाही चल रही है, जिसके बाद धरातल पर काम शुरू हो जाएगा। शेरपुर से कन्हौली के बीच लगभग 9 किलोमीटर लंबी इस सड़क को छह लेन का बनाया जाएगा। यह रिंग रोड का वह हिस्सा है जो शहर की बाहरी कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 777.79 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि इसमें केंद्र और बिहार सरकार की 50-50 प्रतिशत की आर्थिक भागीदारी है।इसके चालू होने से आरा, बक्सर, गया और वैशाली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को शहर के भीतर नहीं आना पड़ेगा। इससे पटना के आंतरिक इलाकों में ट्रैफिक का दबाव काफी कम हो जाएगा।पूरा रिंग रोड पटना, सारण और वैशाली जिलों को जोड़ते हुए क्षेत्रीय विकास को नई गति देगा।एनएचएआई के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार के अनुसार, भूमि अधिग्रहण की बाधाएं दूर होने के बाद अब काम में तेजी आएगी।

स्वच्छता अभियान की पोलः कचड़ा उठाव नहीं, खुलेआम कचड़ा जलाव

राकेश कुमार
सब- एडिटर-
बॉर्डर न्यूज मिरर

''हरसिद्धि बाजार में स्वच्छता अभियान की पोल खुलती दिख रही है। नियमित कचरा उठाव नहीं होने से जगह-जगह कचरे के ढेर लग रहे हैं और लोग मजबूरी में कचरा जला रहे हैं। इससे बाजार में धुआं व दुर्गंध फैल रही है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। स्वच्छता प्रभारी अवनीश कुमार राय ने मामले की जांच कर कार्रवाई की बात कही है।''

हरसिद्धि बाजार में धुआं और बदबू से लोग परेशान

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि बाजार में चल रहा स्वच्छता अभियान अब सवालों के घेरे में है। कागजों पर साफ-सफाई के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है। बाजार क्षेत्र में नियमित कचड़ा उठाव की व्यवस्था नहीं होने के कारण जगह-जगह कचरे का ढेर जमा हो रहा है। स्थिति यह है कि उठाव के अभाव में लोग कचरे को जलाने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे पूरे बाजार में धुआं और दुर्गंध फैल रही है।

स्थानीय दुकानदारों और बाजार आने वाले लोगों का कहना है कि कई दिनों तक कचरा नहीं उठाया जाता है। ऐसे में दुकानों और आसपास के इलाकों में कचरा जमा होकर सड़ने लगता है। इससे परेशान होकर कुछ लोग कचरे को आग लगा देते हैं। जलते कचरे से उठने वाला धुआं पूरे बाजार में फैल जाता है, जिससे राहगीरों, ग्राहकों और आसपास के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई लोगों ने बताया कि प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट जलने से आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत भी हो रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक होती हैं। इसके बावजूद बाजार क्षेत्र में इस पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आ रही है।

इस संबंध में स्वच्छता प्रभारी अवनीश कुमार राय ने बताया कि बाजार में कचरा जलाने की सूचना मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कचरा जलाना नियमों के खिलाफ है और स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार में नियमित कचड़ा उठाव सुनिश्चित किया जाए और डस्टबिन की पर्याप्त व्यवस्था की जाए, ताकि स्वच्छता अभियान केवल कागजों तक सीमित न रह जाए।

भ्रष्टाचार मामले में कनीय विद्युत अभियंता दोषी, एक वर्ष की सजा

बीएनएम @ पटना

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की कार्रवाई में दर्ज भ्रष्टाचार के एक पुराने मामले में अदालत ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। यह फैसला निगरानी न्यायालय पटना के माननीय न्यायाधीश मो० रूस्तम द्वारा सुनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियुक्त सुदामा राय, जो उस समय कनीय विद्युत अभियंता के पद पर विद्युत अवर प्रमंडल नवादा में कार्यरत थे, के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7, 13(2) सहपठित धारा 13(1)(d) के तहत मामला दर्ज किया गया था। निगरानी थाना कांड संख्या 32/1991 (विशेष वाद संख्या 62/1991) में दर्ज इस मामले में आरोप था कि अभियुक्त ने लेखा मशीनी के लिए बिजली कनेक्शन देने के एवज में 500 रुपये रिश्वत की मांग की थी। मामले में शिकायतकर्ता विनय मिश्रा ने इसकी सूचना निगरानी विभाग को दी थी। इसके बाद निगरानी की टीम ने 14 अगस्त 1991 को अभियुक्त को 300 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। अदालत ने सुनवाई के बाद अभियुक्त सुदामा राय को दोषी पाते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत एक वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(d) के तहत भी एक वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में एक माह के साधारण कारावास का प्रावधान किया गया है। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। बताया गया कि वर्ष 2026 में अब तक निगरानी के चार भ्रष्टाचार मामलों में अदालत द्वारा सजा सुनाई जा चुकी है।

रामगढ़वा में ओवरलोड ट्रैक्टरों पर कार्रवाई, कई वाहनों से वसूला जुर्माना

बीएनएम @ रामगढ़वा

ओवरलोडिंग के खिलाफ पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। रैक पॉइंट से गिट्टी लादकर जा रहे ओवरलोड ट्रैक्टरों को सेमर के पास जांच के दौरान पकड़ा गया। अभियान का नेतृत्व बिहार मोटर सेवा के अधिकारी विकास कुमार और रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने किया। जांच के दौरान कई ट्रैक्टरों में नियमों की अनदेखी पाई गई। एक गैर-निबंधित ट्रैक्टर पर 21 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं ट्रैक्टर संख्या BR05 GC 3642 पर नॉन-कमर्शियल वाहन होने के बावजूद व्यावसायिक कार्य में इस्तेमाल किए जाने के कारण 37 हजार रुपये का जुर्माना किया गया। इसके अलावा ट्रैक्टर संख्या BR 22Q 7921 को भी जब्त कर लिया गया है, जिस पर 44 हजार 500 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि ओवरलोडिंग और बिना निबंधन के वाहन परिचालन से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए ऐसे वाहनों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। कार्रवाई के बाद क्षेत्र के ट्रैक्टर मालिकों और चालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

एक्शन मोड में एसडीओ मंगला कुमारीः पताही सीएचसी पहुंच व्यवस्थाओं की जांच, पूर्व प्रभारी को 24 घंटे की चेतावनी

बीएनएम @ पताही/पकड़ीदयाल @ श्रीनिवास कुमार

पकड़ीदयाल एसडीओ मंगला कुमारी ने बुधवार को पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत को परखा। उनके अचानक पहुंचने से अस्पताल कर्मियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने अस्पताल की समग्र व्यवस्था, साफ-सफाई, ओपीडी संचालन तथा मरीजों को मिल रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान एसडीओ ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति पंजी की जांच की और ड्यूटी पर मौजूद कर्मियों की स्थिति का सत्यापन किया। उन्होंने ओपीडी में इलाज कराने पहुंचे मरीजों से सीधे बातचीत कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं, इलाज और व्यवहार के बारे में जानकारी ली। साथ ही अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और ओपीडी की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वर्तमान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शंकर बैठा को स्पष्ट निर्देश दिया कि अस्पताल में आने वाले किसी भी मरीज को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से संचालित की जाएं। निरीक्षण के दौरान हाल ही में सामने आए एक्सपायरी दवाओं को फेंके जाने के मामले की भी चर्चा हुई। इस संबंध में वर्तमान प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने एसडीओ को बताया कि उन्हें अब तक पूर्व प्रभारी डॉ. मोहन लाल प्रसाद द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का वित्तीय प्रभार पूर्ण रूप से नहीं सौंपा गया है, जिससे कई प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस पर एसडीओ मंगला कुमारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूर्व प्रभारी डॉ. मोहन लाल प्रसाद को सख्त निर्देश दिया कि वे 24 घंटे के अंदर वर्तमान प्रभारी को पूर्ण रूप से प्रभार सौंप दें, ताकि अस्पताल का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके और किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा उत्पन्न न हो। निरीक्षण के अंत में एसडीओ ने चेतावनी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई कर्मी अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाह पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी।

तेजप्रताप ने रिंकल यादव को बनाया अध्यक्ष पद का उम्मीदवार

पटना विश्वविद्यालय में सियासी उबाल

बीएनएम @पटना

पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ (PUSU) चुनाव 2026 को लेकर सरगर्मी अपने चरम पर है। इसी बीच जनशक्ति जनता दल छात्र संघ ने अध्यक्ष पद के लिए रिंकल यादव को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। इस घोषणा के साथ ही कैंपस में चुनावी बिसात पूरी तरह बिछ गई है।संगठन के संरक्षक और नेता तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से रिंकल यादव की उम्मीदवारी का औपचारिक ऐलान किया। उन्होंने छात्रों से अपील की कि 28 फरवरी 2026 को होने वाले मतदान में बैलेट नंबर 07 पर बटन दबाकर रिंकल यादव को ऐतिहासिक जीत दिलाएं। संगठन ने रिंकल की सक्रियता और छात्र हितों के प्रति उनके लंबे संघर्ष को इस चयन का मुख्य आधार बताया है।पटना विश्वविद्यालय का यह चुनाव बिहार की मुख्यधारा की राजनीति के लिए 'लिटमस टेस्ट' माना जा रहा है। अध्यक्ष पद के लिए होने वाली इस कांटे की टक्कर ने कैंपस का सियासी तापमान बढ़ा दिया है, जहाँ सभी छात्र संगठनों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

खाली पेट फाइलेरिया की दवा खाने से 27 बच्चे बेहोश, स्कूल में मचा हड़कंप

बीएनएम @बेतिया

बैरिया प्रखंड के बगही रतनपुर पंचायत स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बकुलिया टोला में फाइलेरिया रोधी दवा के सेवन के बाद 27 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। दवा खाने के कुछ ही देर बाद छात्रों को उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत होने लगी, जिससे कई बच्चे कक्षा में ही अचेत हो गए। इस घटना से विद्यालय परिसर में अफरातफरी मच गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक किरण कुमारी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।छात्रों का आरोप है कि उन्हें खाली पेट ही दवा खिला दी गई थी, जिससे उनकी स्थिति बिगड़ी। प्रभावित बच्चों में प्रिया, साबू, सबरीन, रागिनी, प्रियंका, निरंजन, नीपू, शिवानी, संजना, यशराज, गुंजा, अदिति, नेहा, खुशी, नुसरत, पल्लवी, आकृति और गुलशन सहित अन्य शामिल हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल बैरिया सीएससी को सूचित किया गया, जिसके बाद मेडिकल टीम एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुँची।सभी बीमार बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बैरिया में भर्ती कराया गया। पीएचसी प्रभारी डॉ. मिथिलेश चंद्र सिंह ने पुष्टि की है कि प्राथमिक उपचार के बाद सभी बच्चों की हालत अब स्थिर और वे सुरक्षित हैं। वहीं, प्रखंड विकास पदाधिकारी क्रमजीत राम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरी घटना की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

बिहार में अपराधियों का राज, गृह विभाग बदलने से : तेजस्वी

बीएनएम @ पटना

बिहार विधान मंडल परिसर के बाहर बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में हत्या और गोलीबारी की घटनाएं अब आम हो गई हैं, जिससे जनता के बीच भय का माहौल व्याप्त है। उन्होंने विशेष रूप से गृह मंत्रालय का प्रभार सम्राट चौधरी को मिलने के बाद अपराध ग्राफ में हुई वृद्धि पर सवाल उठाए और कहा कि अपराधियों के मन से पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है।तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए इसे उनके राजनीतिक जीवन का सबसे कमजोर दौर करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों के होने के बावजूद जवाबदेही की भारी कमी है, जिसका सीधा फायदा अपराधी उठा रहे हैं। हाल ही में एक शादी समारोह के दौरान दुल्हन को गोली मारे जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे सरकार की प्रशासनिक विफलता का जीता-जागता प्रमाण बताया। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि गृह विभाग के नेतृत्व में बदलाव के बाद कुछ आपराधिक तत्वों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है।इसके अतिरिक्त, तेजस्वी यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित बिहार दौरे और 'घुसपैठ' के मुद्दे को चुनावी ध्रुवीकरण की रणनीति बताया। उन्होंने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों, गिरते रुपये और बढ़ती महंगाई पर भी प्रहार किया। तेजस्वी ने स्पष्ट किया कि सरकार बुनियादी मुद्दों जैसे सुरक्षा, रोजगार और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए केवल बयानबाजी कर रही है, जबकि जनता वास्तविक संकटों से जूझ रही है।

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

ललित गर्ग

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम्" का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाज़ार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

मनोज कुमार

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में "फ्री कश्मीर" और "कश्मीर में जनसंहार बंद करो" जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई। इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा। माजिश का दायरा केवल रेकी तक सीमित नहीं था सुरक्षा बलों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि यह मॉड्यूल शहर में विस्फोटक और आधुनिक हथियार जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुका था। दिसंबर 2024 से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में रेकी की जा रही थी और माहौल को अस्थिर करने के लिए देश विरोधी पोस्टर लगाने की भी योजना बनाई गई थी। उमर और उसके गिरोह नैखेची-समझी रणनीति के तहत हिंदू नामों का उपयोग किया ताकि स्थानीय लोगों और पुलिस की रडार से बचा जा सके। खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पर्दाफाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उम्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़े गए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुधा है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम कार्डस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यहीं दूसरी ओर, उमर की पत्नी ने अपनी सास के दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए अपने पति को बेकसूर और साजिश का शिकार बताया है। पत्नि का कहना है कि उम्र सालों से कोलकाता में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था और उन्होंने कभी भी उसके व्यवहार में कोई संदिग्ध बदलाव या किसी अज्ञात व्यक्ति से उसके संपर्क को नहीं देखा। एजेंसियां फिलहाल उबर के इन अलग-अलग दावों और पारिवारिक विरोधाभासों की बारीकी से जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है।

जीवन की सौरभ मानवता का पुनर्जागरण

कांतिलाल मांडोत

संसार के सभी धर्मों और दार्शनिक परंपराओं ने मानव जीवन को अत्यंत मूल्यवान माना है। केवल शरीर धारण कर लेना ही मनुष्य होने का प्रमाण नहीं है बल्कि उसके भीतर करुणा सेवा त्याग विनम्रता और सत्यनिष्ठा जैसे मानवीय गुणों का विकास होना आवश्यक है। जब ये गुण जीवन में सुवासित होते हैं तभी जीवन की सच्ची सौरभ प्रकट होती है। आज जब चारों ओर भौतिक उपलब्धियों की चमक दिखाई देती है तब भी समाज के भीतर एक खालीपन अनुभव किया जा रहा है। यह खालीपन मानवता के क्षरण का संकेत है। ऐसे समय में मानवता के मूल्यों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। इतिहास में अनेक उदाहरण मिलते हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों के दुख को अपना दुख समझे। एक बार मारवाड़ में भीषण अकाल पड़ा। जनता भूख और प्यास से तड़प रही थी। राजा ने राजकोष खोलकर जनता की सहायता की। जब कोष खाली हो गया तो उसने अपनी बहुमूल्य अंगूठी तक बेचकर प्रजा के लिए अन्न और पानी की व्यवस्था करवाई। यह घटना केवल उदारता का उदाहरण नहीं है बल्कि यह मानवता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। एक शासक का यह भाव कि कोई भी आभूषण मनुष्य के प्राणों से अधिक मूल्यवान नहीं हो सकता। हमें यह सिखाता है कि त्याग ही सच्चे नेतृत्व का आधार है। यही भावना किसी भी समाज को महान बनाती है। मानवता का अर्थ केवल दया दिखाना नहीं है बल्कि यह एक व्यापक जीवन दृष्टि है। सेवाभाव विनम्रता चारित्रिक दृढ़ता त्याग और निर्व्यसनता जैसे गुण मानव जीवन को सार्थक बनाते हैं। यदि किसी के जीवन में परोपकार की भावना जागृत हो जाए तो समाज की अनेक समस्याएँ स्वतः समाप्त हो सकती हैं। किसी को कष्ट पहुँचाना अमानवीयता है जबकि पीड़ित को सहारा देना मानवीयता का सर्वोत्तम रूप है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम दूसरों की टांग तोड़ने के बजाय टूटे हुए मनों को जोड़ने का प्रयास करें। आँसुओं के स्थान पर मुस्कान के सुमन बिखेरना ही सच्चा मानवीय कर्म है। स्वतंत्रता के बाद देश ने अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं

परंतु जीवन मूल्यों का जो ह्रास हुआ है वह चिंताजनक है। लोकतंत्र के प्रति विश्वास डगमगाया है। राजनीति में नैतिकता का अभाव दिखाई देता है। समाज में स्वार्थ और भ्रष्टाचार की प्रवृत्तियाँ बढ़ी हैं। प्राकृतिक आपदाएँ हों या सामाजिक संकट हर क्षेत्र में असंतुलन झलकता है। इसका मूल कारण यही है कि हम मानव होते हुए भी मानवीय भावों से दूर हो गए हैं। जब व्यक्ति अपने हित को सर्वोपरि मान लेता है तब समाज का संतुलन बिगड़ जाता है। इसलिए आत्ममंथन आवश्यक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से भटक तो नहीं गए हैं। भारत की भूमि ने ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया जिन्होंने मानवता को जीवन का सर्वोच्च आदर्श माना। महावीर ने अहिंसा का संदेश दिया। गौतम बुद्ध ने करुणा और मध्यम मार्ग का उपदेश दिया। महात्मा गाँधी ने सत्य और अहिंसा को जीवन का आधार बनाया। राम और कृष्ण के जीवन चरित्र में भी कर्तव्यपरायणता और लोकमंगल की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। इन महापुरुषों ने केवल उपदेश नहीं दिए बल्कि अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। आज हम उनके नाम का जयघोष तो करते हैं पर उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास कम करते हैं। यही विसंगति हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना है। मानवता का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्वावलंबन भी है। दूसरों के कंधों पर चलकर कोई भी अपनी मंजिल तक नहीं पहुँच सकता। हमारे महापुरुषों ने अपने जीवन में परिश्रम और आत्मनिर्भरता को महत्व दिया। राम ने वनवास के समय अपनी कुटिया स्वयं बनाई। कृष्ण ने गुरु के आश्रम में रहते हुए श्रम को सम्मान दिया। महात्मा गांधी ने आश्रम जीवन में आत्मनिर्भरता की शिक्षा दी। आज के युग में जब सुविधाएँ बढ़ी हैं तब परिश्रम का महत्व कम होता जा रहा है। पश्चिमी देशों की प्रगति का एक बड़ा कारण वहाँ के नागरिकों का श्रमशील और अनुशासित होना है। यदि हमें सशक्त समाज का निर्माण करना है तो हमें भी श्रम और स्वावलंबन को जीवन का अंग बनाना होगा। शिक्षा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालय और विश्वविद्यालय ज्ञान के मंदिर माने जाते हैं जहाँ प्रवेश ज्ञान के लिए और प्रस्थान सेवा के लिए होना चाहिए। परंतु आज की शिक्षा व्यवस्था में मूल्यों की शिक्षा गौण होती जा रही है। केवल डिग्री प्राप्त करना ही उद्देश्य बन गया है। जब शिक्षा चरित्र निर्माण के बजाय केवल रोजगार का साधन बन जाए तो समाज में नैतिक संकट उत्पन्न होना स्वाभाविक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो विद्यार्थियों में संवेदनशीलता कर्तव्यबोध और राष्ट्रप्रेम जागृत करे। ज्ञान का वास्तविक उद्देश्य मानव को देवत्व के समान आदर देना सिखाना है। यदि शिक्षा यह नहीं सिखा पा रही तो उसमें सुधार की आवश्यकता है।

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में मानव ने अद्भुत प्रगति की है। जल थल और नभ में उसके चमत्कार दिखाई देते हैं। अंतरिक्ष की यात्राएँ हों या डिजिटल क्रांति हर ओर मानव बुद्धि की विजय दिखाई देती है। परंतु विडंबना यह है कि उसने सब कुछ बनाना सीख लिया पर स्वयं मानव बनकर रहना नहीं सीखा। यदि विज्ञान का उपयोग मानव कल्याण के लिए न हो तो वह विनाश का कारण भी बन सकता है। इसलिए आवश्यक है कि तकनीकी प्रगति के साथ साथ नैतिक चेतना का विकास भी हो। अभी भी समय है कि हम जीवन मूल्यों की सौरभ को पुनः जागृत करें। विनम्रता सभ्यता और परोपकार के बीज यदि हमारे हृदय में अंकुरित हों तो समाज में मानवीयता के पुष्प खिल सकते हैं। जब व्यक्ति अपने व्यवहार में प्रेम और करुणा को स्थान देता है तब उसके आसपास का वातावरण भी सुगंधित हो उठता है।

मेष राशिः आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। घर के बडों से नई बात आप सीखेंगे। आज काफी दिनों से आपका रुका काम पूरा हो जायेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा। मिलजुल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। निवेश के मामले में आपको घर के बडों से अच्छी सलाह मिलेगी। काम की जगह बदलने से आपकी ऊर्जा में बदलाव आएगा।

मिथुन राशिः आज नए कार्यों करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको ख़ुशी मिलेगी। करियर में आप नये आयाम स्थापित करेंगे। परिवार में किसी सदस्य को सरकारी नौकरी मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आज आप किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर कहीं निवेश न करें। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं, जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वे आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बडों की राय लेना आपके लिए बेहतर होगा। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

कन्या राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी। आज आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। छात्र आज कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, आपको अपने दिनचर्या में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मामले पर खास लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके विरोधी आपके काम की सराहना करेंगे। आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को सहयोगियों से मदद मिलेगी, जिससे आपका कार्य जल्दी पूरा हो जायेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपको खुशियां देंगे। आज कार्यों में माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके काम समय से पूरे हो जायेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है, पार्टी में नयी जिम्मेदारी मिलेगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज शुभ समाचार मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आयेगा। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं। आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर लोगों के सामने आयेगी । आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

» मैच शाम सात बजे शुरू होगा

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं। ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है। वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं। इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा। शास्त्री ने कहा, "आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।" दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ। ""अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।,"

तिलक को कोहली जैसी भूमिका निभानी चाहिये : कैफ

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बल्लेबाज तिलक वर्मा से कहा है कि वह विराट कोहली की तरह पारी को संवारने की भूमिका निभाऐं। कैफ का मानना है कि तिलक को तेजी से खेलने की जगह अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। वहीं टीम प्रबंधन को भी ये स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि उनकी भूमिका कैसी होगी है। कैफ ने कहा कि हर टीम को एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो पारी को संभाले और अंत तक लेकर जाए। उनका मानना है कि तिलक में वह क्षमता है और उन्हें उसी जिम्मेदारी पर ध्यान देनी की बात कही जानी चाहिए। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम को जीत दिलाकर तिलक ने दिखाया था कि वह दबाव में लंबी पारी खेल सकते हैं पर टी20 विश्वकप में अपने कमजोर प्रदर्शन के कारण वह आलोचकों के निशाने पर हैं। तिलक इस बार पांच मैचों में 118 के स्ट्राइक रेट से 107 रन ही बना पाये है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मैच में तेजी से खेलने के प्रयास में उन्होंने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया। इसी को देखते हुए कैफ का मानना है कि उन्हें आक्रामक रुख अपनाने की जरुरत नहीं है। इसके लिए टीम में कई अन्य बल्लेबाज हैं। कैफ ने तिलक को विराट की भूमिका अपनाने की सलाह दी। कोहली टी20 क्रिकेट में आम तौर पर एक छोर संभले रहते थे। वह पारी को संभलते हुए जरूरत पड़ने पर शॉट भी लगा देते थे। तिलक अगर इसी भूमिका पर बरकरार रहते हैं, तो वे टीम के लिए अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं। स्ट्राइक रेट का दबाव हर खिलाड़ी पर होता है, लेकिन अपनी शैली से समझौता करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती।कैफ के अनुसार, अगर पूरी टीम ही आक्रमाक तेज खेलने की कोशिश करेगी तो विकेट जल्दी गिर सकते हैं। इसलिए संतुलन बनाना जरूरी है।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी, कोलंबो

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं। बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंने 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था। सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 112.2 - जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 112.5 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भविष्य पर ईसीबी की सफाई, द हंड्रेड में भेदभाव से किया इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को द हंड्रेड टूर्नामेंट की चयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को यह स्पष्ट किया। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि भारत के स्वामित्व वाली कुछ फ्रेंचाइजियां राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर सकती हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आठ टीमों की इस प्रतियोगिता में शामिल चार भारतीय स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजियां — मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, एमआई लंदन, साउदर्न ब्रेव और सनराइजर्स लीड्स — अगले महीने होने वाली नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर विचार नहीं कर रही हैं। द हंड्रेड के आगामी सीज़न के लिए कुल 67 पाकिस्तानी खिलाड़ियों (63 पुरुष और 4 महिला) ने अपना नाम चयन हेतु पंजीकृत कराया है। ईसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, "इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड तथा द हंड्रेड की सभी आठ फ्रेंचाइज़ियां इस बात की पुनः पुष्टि करती हैं कि यह प्रतियोगिता समावेशी, स्वागतयोग्य और सभी के लिए खुली रहेगी। सभी टीमें चयन केवल क्रिकेट प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरतों के आधार पर करेंगी।" गौरतलब है कि कूटनीतिक तनाव के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ी वर्ष 2009 के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग में हिस्सा नहीं ले पाए हैं। अब जब आईपीएल मालिक विभिन्न देशों की लीगों में भी टीमों के मालिक हैं, तो आशंका जताई जा रही थी कि अन्य टूर्नामेंटों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों के अवसर सीमित हो सकते हैं। द हंड्रेड की नीलामी 11 और 12 मार्च को लंदन में आयोजित की जाएगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन भी उन लोगों में शामिल रहे जिन्होंने इन अफवाहों के बाद ईसीबी से हस्तक्षेप की मांग की थी। वॉन ने कहा, "वे इस लीग के मालिक हैं और ऐसा होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यदि क्रिकेट को देश का सबसे समावेशी खेल बनाना है, तो इस तरह की स्थिति स्वीकार्य नहीं हो सकती।"

व्यापार

भारतीय सोलर पैनल पर अमेरिका ने 126% ड्यूटी लगाईःकहा- चीन भारत के जरिए भेज रहा सस्ते प्रोडक्ट; लाओस और इंडोनेशिया पर भी टैक्स

वॉशिंगटन। अमेरिका ने भारत से आने वाले सोलर पैनलों और सेल पर 126% की शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग का कहना है कि भारत अपने मैन्युफैक्चरर्स को गलत तरीके से सब्सिडी दे रहा है, जिससे अमेरिकी घरेलू कंपनियों को नुकसान हो रहा है। भारत के अलावा लाओस और इंडोनेशिया पर भी 81% से 143% तक की लेवी लगाई गई है। शुरुआती जांच के आधार पर यह फैसला लिया गया है। जांच पर अंतिम फैसला 6 जुलाई को आएगा। यानी सब्सिडी की बात साबित हो जाती है, तो यह टैक्स स्थायी हो जाएगा।

महंगे होंगे सोलर पैनल, अब अमेरिकी मार्केट में टिकना मुश्किल- इस फैसले से भारतीय सोलर एक्सपोर्टर्स के लिए अमेरिकी बाजार में टिकना मुश्किल हो सकता है। 126% ड्यूटी लगने का मतलब है कि इन पैनलों की कीमत अमेरिका में दोगुनी से भी ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में अमेरिकी खरीदार भारतीय माल के बजाय लोकल कंपनियों या अन्य देशों से पैनल खरीदना पसंद करेंगे क्योंकि भारतीय प्रोडक्ट अब कॉम्पिटिशन से बाहर हो जाएंगे।

ट्रम्प के 10% ग्लोबल टैरिफ से अलग है यह ड्यूटी- यह टैक्स उन 10% ग्लोबल टैरिफ से अलग है, जिसकी घोषणा ट्रम्प ने हाल ही में की थी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते ट्रम्प के पुराने टैरिफ प्लान को रद्द कर दिया था जिसके बाद उन्होंने नए सिरे से टैरिफ लगाए थे। अब इस नए फैसले ने इंडस्ट्री की चिंता बढ़ा दी है।

अमेरिकी बाजार में 57% हिस्सेदारी इन तीन देशों की- ब्लूमबर्ग एनईएफ के के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में अमेरिका में होने वाले कुल सोलर मॉड्यूल आयात का 57% हिस्सा भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आया था।

भारतीय एक्सपोर्ट की बात करें तो 2024 में अमेरिका को 792.6 मिलियन डॉलर (करीब 7,200 करोड़ रुपए) के सोलर उत्पाद भेजे गए थे, जो 2022 की तुलना में 9 गुना ज्यादा है।

चीनी प्रोडक्ट को भारत-इंडोनेशिया के जरिए भेजने का आरोप- अमेरिकी सोलर मैन्युफैक्चरर्स का आरोप है कि चीनी कंपनियां अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए भारत, इंडोनेशिया और लाओस जैसे देशों के रास्ते अपना माल भेज रही हैं। पहले चीन ने वियतनाम, मलेशिया और थाईलैंड का इस्तेमाल किया था, लेकिन जब वहां सख्ती हुई तो उन्होंने भारत और अन्य एशियाई देशों में प्रोडक्शन शिफ्ट कर दिया।

एक्सपर्ट बोले- भारतीय कंपनियों के लिए रास्ता बंद- सिटीग्रुप इंक के एनालिस्ट विक्रम बागरी का कहना है कि इतनी ऊंचे टैरिफ लगने के बाद अमेरिकी बाजार अब भारतीय सोलर मैन्युफैक्चरर्स के लिए लगभग बंद हो जाएगा।

अमेरिकी कंपनियों का आरोप- सस्ते विदेशी माल से मार्केट को नुकसान- अमेरिकी सोलर ग्रुप 'अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड' ने वाणिज्य विभाग से सब्सिडी की जांच करने की अपील की थी। ग्रुप का कहना था कि अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को बचाने के लिए यह जांच जरूरी है। उन्होंने अब टैरिफ के इस फैसले का स्वागत किया है। अलायंस के मुख्य वकील टिम ब्राइटबिल ने कहा कि आज का फैसला अमेरिकी सोलर मार्केट में निष्पक्ष कॉम्पिटिशन को फिर से बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने ये भीकहा कि अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स देश की क्षमता बढ़ाने और अच्छी नौकरियां पैदा करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं। अगर गलत तरीके से आयात किए गए माल को मार्केट बिगाड़ने की अनुमति दी गई, तो यह निवेश कभी सफल नहीं हो पाएगा।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने चांदी की कीमतों में तेजी रही। इनके वायदा भाव भी ऊपर आये। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,66,200 रुपये पर रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी के कारोबार में बढ़त रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज उछाल के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 1,008 रुपये बढ़कर 1,60,977 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,59,969 रुपये पर था। वहीं एक समय यह अनुबंध 864 रुपये बढ़कर 1,60,833 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 1,61,072 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,60,611 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 5,200 रुपये बढ़कर 2,65,944 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,60,744 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। कॉमेक्स पर सोना आज 5,160 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,176.30 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 87.16 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 87.50 डॉलर था। एक समय ये 1.75 डॉलर की तेजी के साथ 89.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 505 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,500 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी का कायम है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 504.90 अंक यानी 0.61 फीसदी की उछाल के साथ 82,730.82 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 155.20 अंक यानी 0.61 फीसदी की बढ़त के साथ 25,579.85 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, इंफोसिस और एनटीपीसी जैसे शेयरों ने इंडेक्स निफ्टी में बढ़त दर्ज की है। वहीं, आयशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और कोल इंडिया के शेयरों में गिरावट देखी गई। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को सेंसेक्स 1,068.74 अंक यानी 1.28 फीसदी टूटकर 82,225.92 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 228.35 अंक यानी 1.12 फीसदी लुढ़ककर 25,424.65 अंक पर बंद हुआ था।

पीएम गतिशक्तिः एनपीजी की बैठक में रेल, मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स की हुई समीक्षा

नई दिल्ली, 25 फरवरी (हि.स)। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को लेकर हुई एक बैठक में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में दो रेलवे परियोजनाओं, एक मेट्रो परियोजना और एक हवाई अड्डा परियोजना का मूल्यांकन किया गया। इन परियोजनाओं से लॉजिस्टिक्स लागत कम होने, यात्रा समय घटने और परियोजना क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) की 109वीं बैठक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में हुई। यह बैठक अवसंरचना परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए बुलाई गई थी। इस बैठक में प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। इसमें बताया गया कि रेल मंत्रालय ने पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों से होकर गुजरने वाली 210.750 किलोमीटर

लंबी तीसरी रेल लाइन का निर्माण प्रस्तावित किया है। प्रस्तावित मार्ग में 27 स्टेशन होंगे। यह जालंधर, होशियारपुर, कांगड़ा, पठानकोट, कठुआ और सांबा जैसे प्रमुख जिलों से होकर गुजरेगी। इस परियोजना का उद्देश्य इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कॉरिडोर पर रेल क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना और कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। इसके अलावा रेल मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों में मानिकपुर और इटारसी के बीच 518.532 किलोमीटर की तीसरी रेल लाइन के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित मार्ग चित्रकूट, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर और नर्मदापुरम जैसे प्रमुख जिलों से होकर गुजरता है, जिससे उत्तरी और मध्य भारत को जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण गलियारे पर रेल संपर्क मजबूत होता है। प्रस्तावित तीसरी रेल लाइन से परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने, नेटवर्क की मजबूती में सुधार होने और बढ़ती यातायात मांग को पूरा करने तथा भीड़भाड़ को कम करने के लिए अतिरिक्त रेल सेवाओं की शुरुआत होने की उम्मीद है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-27 के निकट रणनीतिक रूप से स्थित असम में सिलचर जिले के डोलू में एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास का प्रस्ताव रखा है। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करना और आधुनिक विमानन अवसंरचना तथा बेहतर क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय संपर्क प्रदान करके मौजूदा नागरिक एन्क्लेव की क्षमता संबंधी सीमाओं का समाधान करना है।

मार्च में बैंक 18 दिन बंद रहेंगे:5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 11 दिन कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने यानी मार्च में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 18 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। RBI की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 11 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों को ध्यान में रखना होगा। यहां देखें मार्च 2026 में आपके राज्य या लोकेशन में बैंक कब-कब बंद रहेंगे...

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम- आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और ATM के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

मार्च में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं- मार्च 2026 में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 9 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 3 मार्च को होली, 26 मार्च को श्री रामनवमी और 31 मार्च को श्री महावीर जयंती पर भी बंद रहेगा।

निखिल सिद्धार्थ अभिनीत पैन-इंडिया ऐतिहासिक महाकाव्य स्वयंभू का दमदार टीज़र जारी

निखिल सिद्धार्थ अपने करियर के सबसे बड़े चैप्टर में स्वयंभू के साथ कदम रख रहे हैं। यह एक बड़ी पैन-वर्ल्ड फिल्म है जिसे भरत कृष्णमाचारी ने डायरेक्ट किया है और पिक्सल स्टूडियोज़ के भुवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है, जिसे टैगोर मधु प्रेजेंट कर रहे हैं। एक एपिक पीरियड एक्शन सागा के तौर पर सोची गई यह फिल्म बड़े लेवल पर, हाई-वोल्टेज ड्रामा और निखिल के एक ज़बरदस्त, पहले कभी न देखे गए अवतार का वादा करती है। मेकर्स ने एक दमदार टीज़र के साथ प्रमोशन शुरू कर दिया है। टीज़र सेंगोल की पौराणिक कथाओं के साथ टोन सेट करता है - भगवान शिव द्वारा श्री राम को दिया गया दिव्य राजदंड। यहाँ तक कि इस पवित्र प्रतीक को भी वनवास का सामना करना पड़ता है, इसे वापस पाने के लिए क्रूर युद्ध छिड़ जाते हैं। राज्य गिर सकते हैं, लेकिन सेंगोल अजेय रहता है। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर नायक एक निडर योद्धा के रूप में उभरता है जो केवल ताकत पर नहीं, बल्कि अटूट वीरता पर भरोसा करता है। धर्म के पुनरुत्थान के लिए युद्ध उसकी नियति बन जाता है। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी सेंगोल की प्राचीन उत्पत्ति की खोज करके इतिहास के एक कम ज्ञात अध्याय को खोदते हैं। वह भारतीय इतिहास और पौराणिक कथाओं को 985 एडी की पृष्ठभूमि में एक मनोरंजक युद्ध महाकाव्य में मिलाते हैं। उनकी बारीक डिटेलिंग, पैमाना और दुनिया-निर्माण हर फ्रेम में चमकता है। निखिल सिद्धार्थ अपने अब तक के सबसे क्रूर और आधिकारिक अवतार में दिखाई देते हैं। लंबे योद्धा बाल, घुंघराले मूंछें, खुरदरी दाढ़ी और तराशी हुई काया के साथ, वह एक युद्ध-प्रशिक्षित नायक की भूमिका में फिट बैठते हैं। टीज़र में उन्हें ज़बरदस्त लड़ाई में दिखाया गया है, जिसमें वे रॉ फिज़िकल और स्क्रीन प्रेजेंस के साथ खतरनाक स्टंट करते हैं। संयुक्ता और नाभा नतेश पारंपरिक महिला रोल से हटकर, मज़बूत और असरदार किरदारों में दिख रही हैं। टीज़र में सुब्बाराजू, सुनील और दूसरों की झलक भी दिखती है - हर कोई कहानी के लिए बहुत ज़रूरी लगता है। टेक्निकली, फ़िल्म एक बड़े कैनवस पर बनी है। प्रोडक्शन डिज़ाइनर एम प्रभाहरन और रवींद्र ने राजाओं के असली दौर को फिर से बनाया है, जबकि केके सेंथिल कुमार की सिनेमैटोग्राफी ज़बरदस्त विज़ुअल वज़न देती है। हर फ्रेम में स्केल और असलीपन झलकता है। रवि बसरूर का बैकग्राउंड स्कोर ड्रामा को और बढ़ाता है, और टॉप इंडियन स्टूडियोज़ द्वारा हैंडल किया गया वीएफएक्स, हॉलीवुड स्टैंडर्ड तक पहुँचता है। विजय कामिसेट्टी के डायलॉग दमदार हैं, जबकि किंग सोलोमन और स्टन शिवा की एक्शन कोरियोग्राफी, तम्मीराजू की कसी हुई एडिटिंग के साथ मिलकर, फ़िल्म को इंटरनेशनल एक्शन बेंचमार्क तक ले जाती है। प्रोडक्शन वैल्यूज़ बिना किसी शक के टॉप-टियर हैं। कुल मिलाकर, स्वयंभू का टीज़र उम्मीदों को काफी बढ़ा देता है। इसे हैदराबाद में प्रसाद के पीसीएक्स थिएटर में 3डी फ़ॉर्मेट में दिखाया गया था, और जिन्होंने इसे देखा, वे इसकी शानदार विज़ुअल्स, गहरी गहराई और ज़बरदस्त स्केल देखकर हैरान रह गए। मेकर्स के गर्मियों में रिलीज़ की ऑफिशियली पुष्टि करने के साथ, अब उत्साह चरम पर पहुँच गया है। जैसे-जैसे हर नए खुलासे के साथ चर्चा बढ़ती है, दर्शक एक ज़बरदस्त सिनेमाई मैग्नम ओपस देखने के लिए तैयार हो सकते हैं—एक ऐसी फ़िल्म जो पीरियड एक्शन जॉनर को फिर से परिभाषित करने का वादा करती है। यह फ़िल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी, चीनी, स्पेनिश और अरबी भाषाओं में पैन वर्ल्ड रिलीज़ के लिए तैयार है।

'भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी मिथिला पालकर, बहन के किरदार में आएंगी नजर

भूत बंगला 2026 की उन फिल्मों में से है जिसका दर्शकों को सबसे ज्यादा इंतजार है. इसकी सबसे बड़ी वजह है बॉलीवुड की ओजी जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की 16 साल बाद हो रही धमाकेदार वापसी. बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म ने उन फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्में देख-देखकर बड़े हुए हैं. हर कोई उस सिग्नेचर ह्यूमर और हंसी के जादू को दोबारा पर्दे पर देखने के लिए बेताब है जिसने पिछली कई फिल्मों को यादगार बनाया था. इस इंतजार को और बढ़ाते हुए अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म की कास्ट में एक नया नाम जोड़ा है, मिथिला पालकर. अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी. इस फ्रेश कास्टिंग ने कहानी में एक नया एंगल जोड़ दिया है, और अब फैंस बस इस जोड़ी के ऑन-स्क्रीन मैजिक का इंतजार कर रहे हैं. अक्षय कुमार ने खुद इस बारे में बताते हुए कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं. और जल्द ही, वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद! भूत बंगला में मिथिला भूत का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी. फैंस भूत बंगला के लिए बेहद एक्साइटेड हैं. यह फिल्म न केवल अक्षय और प्रियदर्शन की ओजी जोड़ी को 16 साल बाद वापस ला रही है, बल्कि यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है. इसमें भरपूर कॉमेडी, मजेदार अफरा-तफरी और दिल को छू लेने वाले पल देखने को मिलेंगे. दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं प्रियदर्शन वही पुराना जादू और कहानियों का वो देसी तड़का वापस ला रहे हैं जिसने उनकी पिछली फिल्मों को यादगार बनाया था. बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे. फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं. तैयार हो जाइए, भूत बंगला 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है.

सेयोन का टीजर हुआ रिलीज, कमल हासन की फिल्म में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

कमल हासन की फिल्म सेयोन का दमदार टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर में शिवकार्तिकियन भगवान विरुमंदी के रूप में नजर आए। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है। शिवकार्तिकियन का 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म सेयोन का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकियन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकियन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं। कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकियन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, ये भगवान विरुमंडी हैं। एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, ओजी वापस आ गया है। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है। फिल्म का नाम सेयोन है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म विरुमंडी (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकियन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया। यह फिल्म शिवकार्तिकियन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है। यह फिल्म अक्तूबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनिल कपूर की एक्शन ड्रामा फिल्म सूबेदार का धमाकेदार टीजर रिलीज, 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ऑरिजिनल एक्शन-ड्रामा मूवी सूबेदार के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 5 मार्च को प्रीमियर के लिए तैयार है। सुरेश त्रिवेणी ने फिल्म सूबेदार का निर्देशन किया हैं और इसे विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर, और सुरेश त्रिवेणी ने साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। ओपनिंग इमेज फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के साथ मिलकर तैयार की गई ये फिल्म बेहद दमदार और जज्बातों से भरी एक्शन-ड्रामा है। सूबेदार की कहानी सुरेश त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर ने लिखी है जिसमें अनिल कपूर और राधिका मदान मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, फैजल मलिक और मोना सिंह ने भी अहम किरदार निभाए हैं। सूबेदार फिल्म में एक रिटायर्ड फौजी, सूबेदार अर्जुन मौर्या की जिंदगी के उतार-चढ़ाव भरे सफ़र को दिखाया गया है, जो आज की बदलती दुनिया में सुकून पाने की तलाश में है, जहाँ उसके उन उसूलों पर सवाल उठाए जा रहे हैं जिसके सहारे उसने जिंदगी बिताई है। फिल्म में अनिल कपूर ने ज़बरदस्त अभिनय किया है, जो अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते हैं, साथ ही अपने बिखरे हुए परिवार को जोड़ने की कोशिश करते हुए हमेशा सही का साथ देते हैं। भारत का हृदयस्थल में बसी, इस फिल्म में समाज के गिरते स्तर के बीच सम्मान तलाशने की दमदार कहानी को बड़ी संजीदगी से पर्दे पर दिखाया गया है। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और ऑरिजिनल्स के हेड, निखिल मधोक ने कहा, सूबेदार एक ज़बरदस्त एक्शन फिल्म होने के साथ-साथ बाप-बेटी की दिल को छू लेने वाली कहानी भी है। इस फिल्म में अनिल कपूर का अभिनय शानदार है, जो एक एक्शन हीरो के तौर पर शुरू से ही दर्शकों का दिल जीत लेंगे। सुरेश त्रिवेणी, अनिल कपूर, विक्रम मल्होत्रा और सूबेदार की पूरी टीम के साथ मिलकर काम करना हमारे लिए गौरव की बात है। प्रोड्यूसर विक्रम मल्होत्रा ने बताया, सूबेदार सही मायने में जबरदस्त फिल्म है, और इस तरह के मुख्य किरदार को शायद दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा, जो देश सेवा, अनुशासन और बलिदान की मूरत है। शुरुआत से ही, मुझे यह कहानी पसंद आई, जो धमाकेदार होने के साथ-साथ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाली है। रिश्तों को करीब से दिखाने वाली इस फिल्म का सिनेमाई स्तर भी अव्वल दर्जे का है।

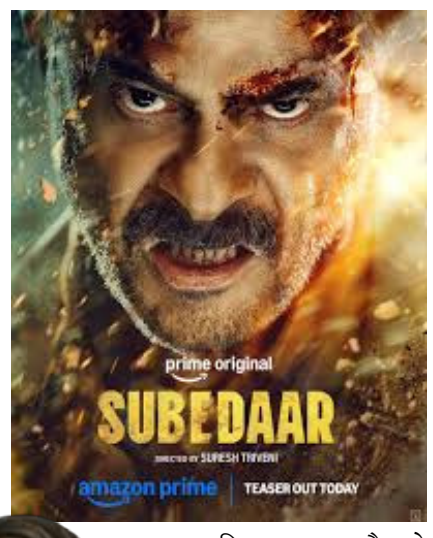

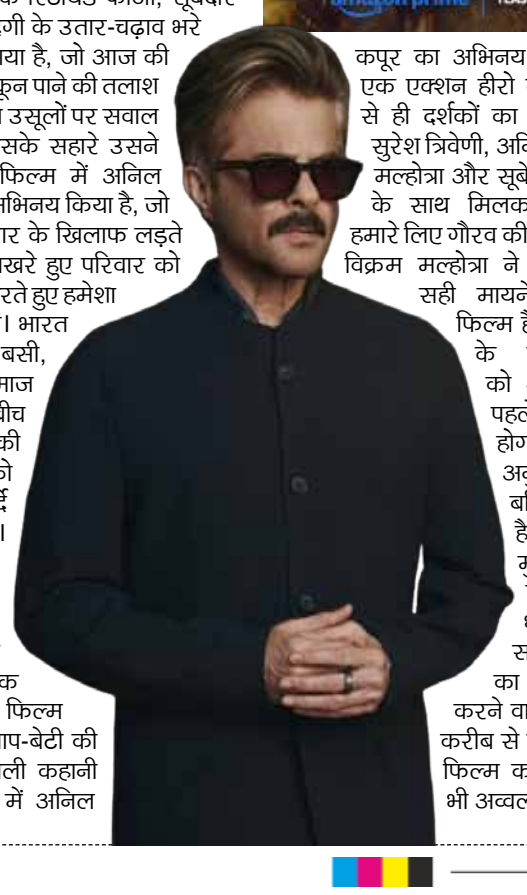

वन पीस में दिशा पाटनी ने दिए लाजवाब पोज

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अदाकाराओं के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें दिशा पाटनी का नाम जरूर शामिल होगा। दिशा पाटनी वो बी टाउन एक्ट्रेस हैं, जो आए दिन अपनी शानदार तस्वीरों के जरिए महफिल लूटती हुईं नजर आती हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता हैं कि उन्होंने वन पीस में कई पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है मेरी सबसे प्यारी तस्वीर। दिशा की तस्वीरों को फैंस पसंद कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा आप हमेशा से खूबसूरत हैं। एक दूसरे यूजर ने उन्हें एशिया क्वीन बताया हैं। हाल ही में दिशा तमिल फिल्म कंगुवा में नजर आई थी। अगली बार वह फिल्म आवारपन 2 और वेलकम टू द जंगल में आने वाली हैं। वह तमिल-अंग्रेजी फिल्म हिलेरियस गाइर्स सांगा का भी हिस्सा होंगी। अक्सर देखा गया है कि दिशा पाटनी जब भी सोशल मीडिया पर कोई तस्वीर शेयर करती हैं, वो चंद मिनटों में फैंस के बीच चर्चा का विषय बन जाती है। आलम ये है कि हमेशा की तरह इस बार भी दिशा की ये लेटेस्ट तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म एमएस धोनी-द अनटोल्ड स्टोरी से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वालीं दिशा पाटनी ने अब तक अपनी कमाल की अदाकारी से हर किसी को प्रभावित किया है।

मेगास्टार चिरंजीवी की विश्वम्भरा सबसे ज़्यादा बजट वाली फ़िल्म

विश्वम्भरा चिरंजीवी की सबसे महंगी फिल्म बन गई है, जिसका बजट 250 करोड़ से ज़्यादा है, जिससे यह एक ऐसी रिलीज़ बन गई है जिसका बेसब्री से इंतज़ार था। फिल्म का शुरुआती बजट 150 - 200 करोड़ था, जिसमें अकेले चिरंजीवी का मेहनताना लगभग 75 करोड़ था। बजट में बढ़ोतरी की वजह देरी और बड़े पैमाने पर सीजी रीवर्क है, जो फिल्म के बड़े स्केल और शानदार विज़ुअल्स को दिखाता है। फिल्म की रिलीज़ डेट अभी ऑफिशियली अनाउंस नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री की चर्चा है कि यह जुलाई में रिलीज़ होगी। बड़े इन्वेस्टमेंट को रिकवर करने के लिए, विश्वम्भरा को अच्छा बिज़नेस करने और बड़ी डिस्ट्रीब्यूशन डील्स करने की ज़रूरत है। आने वाले प्रमोशनल कंटेंट से उम्मीद है कि फिल्म का बड़ा स्केल दिखाया जाएगा, जिससे ऑडियंस इम्प्रेस होगी। विश्वम्भरा एक सोशियो फैंटेसी ड्रामा फिल्म है जिसे वशिष्ठ ने डायरेक्ट किया है, जिसमें चिरंजीवी, त्रिशा कृष्णन और आशिका रंगनाथ हैं। म्यूज़िक एमएम कीरवानी ने दिया है, और सिनेमैटोग्राफी छोटा के नायडू ने की है। फिल्म का वीएफएक्स बजट खबर है कि 75 करोड़ है, जिसमें पोस्ट प्रोडक्शन क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए इंटरनेशनल आर्टिस्ट को लाया गया है। इतनी ज़्यादा उम्मीदों के साथ, विश्वम्भरा को अपने बड़े इन्वेस्टमेंट को रिकवर करने के लिए चिरंजीवी की लेटेस्ट ब्लॉकबस्टर, माना शंकर वर प्रसाद गारू से भी बेहतर परफॉर्म करना होगा। फिल्म की सफलता इसके रिकॉर्ड तोड़ने वाले बजट को सही ठहराने के लिए ज़रूरी है।

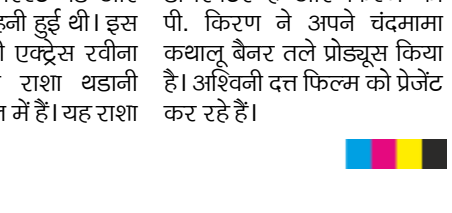

श्रीनिवास मंगपुरम से जया कृष्णा का फर्स्ट लुक जारी

श्रीनिवास मंगलापुरम से जया कृष्णा का फर्स्ट लुक रिलीज़ हो गया है। सुपरस्टार कृष्णा के पोते, जया कृष्णा आरएक्स100 और मंगलावरम फेम के अजय भूपति के डायरेक्शन में ऑन-स्क्रीन डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म का नाम श्रीनिवास मंगलापुरम है और आज मेकर्स ने फर्स्ट लुक रिलीज़ किया। महेश बाबू ने फिल्म से जया कृष्णा का फर्स्ट लुक रिलीज़ किया और मेकर्स को शुभकामनाएं दीं। फर्स्ट लुक में जया कृष्णा एक स्टाइलिश अवतार में बाइक चलाते हुए और अपनी बंदूक से अपने दुश्मनों पर फायर करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। अपने घुंघराले बालों के साथ वह हैंडसम लग रहा था और हालात के हिसाब से उसके इंटेंस एक्सप्रेशन खतरनाक हो जाते थे। उसने रिस्ट बैंड और ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई थी। इस फिल्म में पुरानी एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी फीमेल लीड रोल में हैं। यह राशा की टॉलीवुड में पहली फिल्म है। जीवी. प्रकाश कुमार म्यूज़िक डायरेक्टर हैं और फिल्म को पी. किरण ने अपने चंदमामा कथालू बैनर तले प्रोड्यूस किया है। अश्विनी दत्त फिल्म को प्रेजेंट कर रहे हैं।

Indu Mishra Named Artist of the Year for Madhubani

New Delhi: Celebrated Madhubani artist Indu Mishra has been conferred the prestigious Artist of the Year award in the Madhubani painting category by Adreneur Consultancy Services. The honor recognizes her sustained contribution to promoting India's traditional folk art heritage on both national and international platforms.Receiving the award, Mishra described the recognition as a moment of humility and pride. She credited her family, children, friends, and well-wishers for their unwavering encouragement throughout her journey. "Art may appear to be a solitary pursuit, but I have never walked alone. Every brushstroke carries the love and faith of those who stood by me," she said.The award was presented by former Indian cricketer Chetan Sharma, who etched his name in history by claiming India's first hat-trick in the Cricket World Cup. Mishra termed it a memorable and proud moment to receive the honor from a sporting icon of his stature.Artistic Journey Rooted in TraditionIndu Mishra began her artistic journey in 2013, driven by an innate passion for creativity. A self-taught artist, she immersed herself in the traditional vocabulary of Madhubani painting while introducing contemporary elements that resonate with modern audiences. Drawing inspiration from the cultural heritage of Mithila, her works are distinguished by intricate line work, rhythmic compositions, symbolic storytelling, and vibrant natural colors.Over the years, Mishra has participated in more than 40 solo and group exhibitions across India and abroad, steadily expanding her footprint in the art world.Exhibitions Across

Prestigious PlatformsHer solo exhibitions have been hosted at renowned institutions including Lalit Kala Akademi, Indira Gandhi National Centre for the Arts, and India Habitat Centre. Her works have also been displayed at National Crafts Museum & Hastkala Academy and Nehru Centre, as well as prominent national art fairs in Jaipur.Internationally, Mishra represented Indian folk art at the India Art Festival in Seoul, South Korea, strengthening the global visibility of Madhubani painting and reinforcing its cultural relevance beyond Indian borders.Awards, Recognition and CollectionsIn 2019, she received the Agnipath Kala Ratna Samman for her efforts in promoting Madhubani art. In 2023, she was honored with the Aparajita Kala Samman by Prabhat Khabar. Her achievements were also featured in the 2023 edition of the "Influential Indians" coffee table book.Her artworks are part of private collections owned by acclaimed filmmaker Prakash Jha and other eminent personalities. Institutional collectors include Bank of India, Jharkhand High Court, Hindustan Petroleum Corporation Limited, Central Reserve Police Force, and Dedicated Freight Corridor Corporation of India Limited.For Mishra, Madhubani is not merely an art form but a living expression of Indian culture. With the Artist of the Year honor, she continues her mission to preserve and pass this invaluable heritage to future generations.

Lucknow man shoots father in a fit of rage; chops body parts, hides torso in drum

New Delhi, Agency: A 21-year-old man allegedly shot dead his father in a fit of rage and, in order to conceal the murder, chopped off the body parts and threw them while hiding the remaining torso in a drum, police said on Monday.

The deceased has been identified as Manvendra Singh (50), who was killed by his son Akshat Singh (21), Deputy Commissioner of Police (Central) Vikrant Vir said on Monday. Vir said that the police were conducting an ongoing investigation of a missing person registered at the Ashiana police station.

As part of the investigation, Akshat Pratap Singh, the son of the missing person's son Manvendra Singh, was extensively questioned. During the interrogation, the accused admitted that a dispute arose between him and his father over some issue around 4.30 am on February 20. In a fit of rage, he shot his father, resulting in his death, the police said.

After the incident, the accused brought the deceased's body down from the third floor in order to conceal evidence and placed it in an empty room on the ground floor. He allegedly chopped off the body parts and threw them. He hid the remaining torso in a drum.

Upon receiving information about the incident, senior officials inspected the scene and called a forensic team. The forensic team is thoroughly inspecting the scene and collecting evidence.

The accused has been detained and a case will be registered under the relevant sections against the accused. The body of the deceased has been sent for post-mortem examination, the police said.

SC allows deployment of civil judges from Odisha, Jharkhand for SIR exercise in West Bengal

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Tuesday allowed the deployment of civil judges with experience of at least three years from neighbouring Orissa and Jharkhand for the timely completion of the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls in West Bengal ahead of the upcoming Assembly elections. Citing "trust deficit" between the West Bengal Government and the Election Commission, a Bench led by Chief Justice of India Surya Kant, Justice Joymalya Bagchi and Justice Vipul M Pancholi had on February 20 issued an order for deployment of judicial officers, including retired judges, from West Bengal for conduct of SIR of electoral rolls in the state. On Tuesday, the Bench expanded the scope of its order to include civil judges from Orissa and Jharkhand with experience of at least three years for timely completion of the SIR exercise. The order came after the Calcutta High Court Chief Justice wrote to the Supreme Court on February 22 that 250 judicial officers have been assigned the task of deciding about 80 lakh claims and objections under logical discrepancy and unmapped categories.

Logical discrepancies in progeny linking with the 2002 voter list included instances of a mismatch in the parent's name and the age difference between a voter and his/her parent being less than 15 years or more than 50 years. Highlighting the enormity of the exercise, the Bench noted that even if each judge decided 250 cases a day, it would take 80 days to complete the SIR exercise. In view of this situation, the Bench ordered that "If the Calcutta High Court Chief Justice feels that further human resource is needed, he may approach chief Justices of Orissa and Jharkhand High Courts to draw serving and retired judicial officers of those states in similar rank who shall be entrusted to complete the verification work in West Bengal."

It said, "Travel, boarding and lodging of such officers shall be borne by the Election Commission." The Bench — which had on February 20 allowed the poll panel to publish the final electoral rolls on February 28 — clarified that the EC can issue supplementary lists as the verification process proceeded.

The top court exercised its plenary powers under Article 142 of the Constitution to enlist voters in the supplementary electoral rolls to be part of the final list published February 28.

The Bench also issued a clarification on the documents that can be accepted for processing of claims and objections.

"The order of this court on September 8, 2025, where Aadhaar was allowed as proof of identity and order of this court passed on the writ petition relating to Madhyamik Admit Card and Certificate shall be admitted.

Health scare again in Indore's Bhagirathpura; 6 hospitalised after eating contaminated food

New Delhi, Agency: Six persons have been admitted to a hospital after consuming contaminated food in Indore's Bhagirathpura area, which had been the epicentre of a diarrhoea outbreak caused by polluted drinking water that claimed 22 lives, officials said.

Nearly 60 people had eaten food at a birthday party in Bhagirathpura late Saturday night. Following this, some people developed health problems on Sunday, Chief Medical and Health Officer (CMHO) Dr Madhav Hasani stated on Monday.

He said the affected individuals were treated, and as a precaution, six of them were admitted to the Government Maharaja Yashwantrao Hospital. All patients were doing well after treatment, the official said.

Local residents and the Opposition Congress have

claimed a total of 35 deaths in the vomiting and diarrhoea outbreak that began late December in Bhagirathpura due to contaminated drinking water.

On February 19, amid uproar in the state assembly during a discussion on the issue, Health Minister Rajendra Shukla said 22 persons had died in Bhagirathpura due to contaminated water and that compensation of Rs 2 lakh had been given to the families of each deceased.

A one-member commission headed by Justice Sushil Kumar Gupta, a former judge of the Madhya Pradesh High Court, is conducting a judicial inquiry into the contaminated drinking water tragedy following the court's orders.

Goyal talks trade with Canadian counterpart

New Delhi, Agency: Amid ongoing trade agreement discussions, Commerce Minister Piyush Goyal on Monday held a virtual interaction with his Canadian counterpart Maninder Sidhu.

In remarks following the interaction, which took place three days ahead of Canadian PM Mark Carney's visit to India, Goyal said he held a virtual meeting with Sidhu, Canada's Minister of International Trade, to advance discussions on the proposed India-Canada Comprehensive Economic Partnership Agreement. "We also deliberated on strengthening business ties on both sides through regular delegation-level engagements over the coming months," he said.

Leh-bound SpiceJet flight returns to Delhi after mid-air engine scare

New Delhi, Agency: A Delhi-Leh SpiceJet flight was forced to return to the national capital shortly after take-off on Tuesday morning after the crew detected a suspected technical malfunction during the climb. The aircraft, a Boeing 737 operating as flight SG121, had around 150 passengers on board when it turned back minutes into the journey. The pilots decided to return as a precaution after identifying a possible snag. The flight landed safely in Delhi, and all passengers were disembarked without incident. No injuries were reported.

In a statement, the airline said the aircraft experienced a technical issue soon after departure and was brought back in line with safety procedures.

Government to auto credit funds from around 6 lakh inoperative EPFO accounts

New Delhi, Agency: In a major announcement, the Ministry of Labour and Employment on Monday said small balances lying in around 6 lakh "inoperative accounts" linked to the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) will be refunded without any claims or paperwork.

At present, there are around 31 lakh inoperative EPFO accounts. Out of these, nearly six lakh accounts have Rs 1,000 or less deposits. For accounts that are linked with Aadhaar, the transfer will happen immediately. For others, the money will be sent in phases, it said.

Sources in the ministry said the same method may be extended to the remaining 25 lakh inoperative accounts in the future. An EPFO account is treated as 'inoperative' if there is no transaction or activity for

three consecutive years.

According to official data, there are 31.86 lakh inoperative EPFO accounts, with cumulative deposits amounting to around Rs 10,000 crore. Within the Rs 0-Rs 1,000 balance category, there are approximately 7.11 lakh accounts, holding a combined total of Rs 30.52 crore.

The move is seen as a step towards providing direct relief to account holders as it aims to simplify settlements and help workers access their unused savings faster.

Provident Fund (PF) accounts are savings schemes for employees in India, managed by the Employees' Provident Fund Organisation. Employees and employers contribute a portion of the salary to the EPF account, which earns interest over time.

Centre to launch nationwide HPV vaccination drive to prevent cervical cancer

New Delhi, Agency: In a landmark move to strengthen women's health and eliminate preventable cancers, Centre is set to soon launch the nationwide Human Papillomavirus (HPV) vaccination programme.

The initiative aims to protect adolescent girls against cervical cancer - one of the most common yet preventable cancers affecting women in India. The programme aligns with the recommendations of the WHO, which identifies HPV vaccination as a central pillar of the Global Strategy to Eliminate Cervical Cancer.

India's national programme will use Gardasil, a quadrivalent HPV vaccine that protects against HPV types 16 and 18, which cause cervical cancer, as well as types 6 and 11. Strong global and Indian scientific evidence confirms that a single dose provides robust and durable protection when administered to girls in the recommended age group, officials said.

With the forthcoming launch, India

will join 160 countries worldwide that have already introduced HPV vaccination into their national immunization schedules. Globally, over 90 countries are implementing single-dose HPV vaccination schedules, improving coverage and affordability. Several countries have already demonstrated substantial reductions in HPV infection, precancerous lesions, and cervical cancer incidence following widespread vaccination.

="The nationwide programme will target girls aged 14 years, an age at which the HPV vaccine offers maximum preventive benefit, well before potential exposure to the virus. Vaccination under the national programme will be voluntary and free of cost, ensuring equitable access across socio-economic groups. By prioritising prevention at the right age, the programme is expected to provide lifelong protection and significantly reduce the future burden of cervical cancer in the country," officials said.

HPV vaccination under the national programme will be conducted exclusively at designated government health facilities, including Ayushman Arogya Mandirs (Primary Health Centres), Community Health Centres, Sub-District and District Hospitals, and Government Medical Colleges.

Each vaccination session will be carried out in the presence of trained Medical Officers, supported by skilled healthcare teams and equipped for post-vaccination observation and management of any rare adverse events. All vaccination sites will be linked to 24×7 government health facilities, ensuring immediate medical support and reinforcing safety and parental confidence.

To ensure uninterrupted availability and uncompromised quality, the Government has secured HPV vaccine supplies through a transparent, globally supported procurement mechanism. Under India's partnership with Gavi, the Vaccine Alliance, high-quality Gardasil vaccines—approved by India's drug regulator and widely used internationally—have been made available for the national programme. The estimated number of deaths due to cervical cancer cases in the country in 2023 was 35,691 according to Indian Council of Medical Research (ICMR) data. In a written reply to a question in the Rajya Sabha, Union Minister of State for Health Prataprao Jadhav, last year informed the Parliament that the the estimated number of deaths due to cervical cancer in India was 34,806 in 2022, 33,938 in 2021, 33,095 in 2020 and 32,246 in 2019.